



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 35] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 28, 1993 (भाद्रपद 6, 1915)
No. 35] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 28, 1993 (BHADRA 6, 1915)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह भाग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई, दिनांक 2 अगस्त 1993

सं. एस.बी.डी. क्र. 10/1993—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समन्वयित बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उप धारा (1) के अनुच्छेद (ग) के अनुसार भारत सरकार तथा भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार विमर्श के बाद भारतीय स्टेट बैंक डा. डी. एम. गंजुनदण्ण के स्थान पर श्री एन. के. भट, "द्वारका", 1685, 30 फ़ास, 15वां मंज, बनावंशकरी, संकण्ड स्टेशन, भंगलूर-560,070 को स्टेट बैंक आफ मैसूर के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि दिनांक 2 अगस्त 1993 से 1 अगस्त 1996 (दोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

हस्ताक्षर अपठनीय
अध्यक्ष

सं. एस.बी.डी. क्र. 11/1993—इसके द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारतीय स्टेट बैंक (समन्वयित बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उप धारा (1) के अनुच्छेद (घ) के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक के साथ विचार विमर्श के बाद भारतीय स्टेट बैंक डा. बी. एच. डोलिकिया के स्थान पर श्री उमल दत्त धू, चार्टर्ड अकाउन्टेन्ट, "वात्सल्य", 3, ब्राम्हन मित्र मंडल सोसायटी, भंगलूर रोड, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद-6 को स्टेट बैंक आफ सौराष्ट्र के निदेशक पद पर तीन वर्ष की अवधि दिनांक 2 अगस्त 1993 से 1 अगस्त 1996 (दोनों दिन सम्मिलित) तक के लिए नामित करता है।

हस्ताक्षर अपठनीय
अध्यक्ष

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान

बम्बई-400005, दिनांक 7 जुलाई 1993

सं० 3-डब्ल्यू. सी. ए. (5)/20/92-93—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 3-डब्ल्यू. सी. ए. (4)/5/92-93 दिनांक 1 दिसम्बर 1992 और 3-डब्ल्यू. सी. ए. (4)/7/92-93 दिनांक 26 फरवरी 1993 के पदार्थ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके अग्रे दी गई तिथियों से स्थापित कर दिया है :—

क्र० सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1.	14971	श्री देसाई अनुल हर्षदराय एफ० सी० ए० 19 मालविया रोड विले पारले ईस्ट बम्बई-400 057	1-10-92
2.	4345	श्री बी. वेंकट विष्वेश्वरे राव ए० सी० ए० डी-1/21 खीरा नगर एस० बी० रोड सन्ताक्रुज वेस्ट, बम्बई-400 054	1-10-92

ए० के० मजुमदार,
सचिव

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

कलकत्ता-700 071, दिनांक 26 जुलाई 1993

सं० 3-ई. सी. ए. (5)/1/93-94—इस संस्थान की अधिसूचना सं० 3-एम. सी. ए. (4)/3/92-93 दिनांक 27 नवम्बर, 1992, 3-ई. सी. ए. (4)/3/92-93 दिनांक 22 जनवरी, 1993 और 4-ई. सी. ए. (15)/81-82 दिनांक 25 फरवरी, 1982, के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम, 1988 के विनियम 20 के अनुसरण से एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने

सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके अग्रे दी गई तिथियों से स्थापित कर दिया है :—

क्र० सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1.	13116	श्री कर ह्योमकेम, ए० सी० ए०, डिप्टी जनरल मैनेजर(फाइनेन्स), आई. डी. सी. ग्रॉस उड़ीसा लि., भुवनेश्वर-751 009	8-4-93
2.	14152	श्री जैन अरुण कुमार, 33, बुरतोल्ला स्ट्रीट, एफ० सी० ए० कलकत्ता-700007	1-10-92
3.	51672	श्री मोहन जे., ए० सी० ए०, फाइनेन्शियल कन्ट्रोलर, अलषानिम इंडस्ट्रीज, पी० ओ० बॉक्स 223, साफन 13003, कुर्बत	1-10-92
4.	52181	श्री रोय सुकदेब., एफ० सी० ए०, 7, नीलमोनी दत्ता लेन, कलकत्ता-700 012	1-10-92
5.	53726	मिस सिंह चेतना आर्याप्रसाद, ए० सी० ए०, एफ/7, गोफे मैसन 2, साऊथ ईस्टर्न रेलवे कोलोनी, गार्डन रोड, कलकत्ता-700 043	5-5-93
6.	51329	श्री केडिया गोपाल कुमार, ए० सी० ए०, केयर ओफ प्रनव कुमार किविया, ग्राउंड फ्लोर, 20/2 बी, मोतीमाल बाइसैक लेन, कलकत्ता-700 054	12-4-93

ए० के० मजुमदार,
सचिव

कानपुर-208001, दिनांक 15 जून 1993

सं० 3/सी० सी० ए० (4) (2)/93-94—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम, 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम, 1949 की धारा 20 उपधारा (1) (सी) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त

लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से निम्नलिखित सदस्यों का नाम निधिरित शुल्क न जमा कराने के कारण उनके आगे दी गयी तिथियों से हटा दिया है :—

क्र० सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1.	026618	मि० ए० एम० सुन्दर, उषा रिस्तीफायर कारपोरेशन इण्डिया लिमिटेड, यू० पी० एस० आई० डी० सी० इंडस्ट्रियल एरिया, जिला नैनीताल, भीमताल-263136	1-10-92
2.	070407	प्रेम बिहारी माथुर, 15/247 ए, सिविल लाइंस, कानपुर	1-10-92
3.	70148	श्री राजेन्द्र कुमार जैन, राजेन्द्र होटल बिल्डिंग, पालीमारवार (राज०)	1-10-92

ए० के० मजूमदार,
सचिव

सं० 3 सी० सी० ए० (4) (3)/93-94—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम, 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों प्राप्त लेखाकार अधिनियम, 1949 की धारा 20 (1) (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गयी तिथियों से हटा दिया है :—

क्र० सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1.	007735	मि० जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, 110, उपानगर कालोनी दशहरा मैदान रोड, इन्दौर	18-4-93
2.	028975	मि० आर० श्रीसैलम, रूम नं० 51, हास्टल 3 भेल, पिपलानी, भोपाल-462021	8-3-93
3.	016615	मि० प्रकाश चन्द्र मेहता, 2337, रामलला स्ट्रीट, जोहरी बाजार, जयपुर-302003	24-12-92

ए० के० मजूमदार,
सचिव

केन्द्रीय भंडारण निगम
(भारत सरकार का उपक्रम)
नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई, 1993
सूचना

सं० सी० डब्ल्यू० सी० /III-17/37/93-बी० एण्ड सी०—केन्द्रीय भण्डारण निगम नियमावली, 1963 के नियम 13 के अनुसरण में 11 अगस्त, 1993 से रिक्त होने वाले स्थान को भरने के लिए वेअरहाउसिंग कारपोरेशन अधिनियम, 1962 की धारा 7 की उपधारा 1 के खण्ड (डी) में विनिर्दिष्ट अंशधारियों के वर्ग में से 14 जुलाई, 1993 को निविरोध चुने गए निदेशक का नाम तथा पता अधिसूचित किया जाता है :—

अंशधारियों का वर्ग
भारतीय स्टेट बैंक के
अतिरिक्त अनुसूचित बैंक
निदेशक का नाम तथा पता
श्री के० एम० नारायणन,
महा प्रबन्धक,
इण्डियन ओवरसीज बैंक
सन्दूल आफिस : पी०बी०नं०
3765, 762, अन्ना सलाई,
मद्रास-600002

दिनांक 15 जून, 1993 को या पूर्व विभिन्न समाचार-पत्रों में प्रकाशित चुनाव बैठक की सूचना के संदर्भ में वेअरहाउसिंग कारपोरेशन अधिनियम, 1962 की धारा 7(1) (डी) के अधीन अंशधारी संस्थाओं को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्ग की अंशधारी संस्थाओं के निदेशक को रिक्त को भरने के लिए 4 अगस्त, 1993 बुधवार, सायं तीन बजे केन्द्रीय भंडारण निगम के मुख्यालय, 4/1, सीरी इन्स्टीच्यूशनल एरिया, खेल गांव मार्ग, नई दिल्ली के बोर्ड कक्ष में चुनाव हेतु होने वाली बैठक रद्द कर दी गयी है चूंकि उपर्युक्त वर्ग की अंशधारी संस्थाओं के वर्ग के लिए केवल एक ही नामांकन अर्थात् श्री के० एम० नारायणन इण्डियन ओवरसीज बैंक, मद्रास से प्राप्त हुआ है। इस नामांकन की अध्यक्ष द्वारा दिनांक 14 जुलाई, 1993 को छानबीन किए जाने पर इसे वैधपाया गया तथा उन्हें निविरोध विधिवत् चुना गया घोषित किया गया है।

वेअरहाउसिंग अधिनियम, 1962 की धारा 7 (1) (डी) के अधीन स्टेट बैंक आफ इंडिया के अलावा अधिसूचित बैंकों के अंशधारी संस्थाओं द्वारा श्री के० एम० नारायणन दिनांक 11 अगस्त, 1993 से 2 वर्ष के लिए विधिवत् चुने गए, जिनका ख़ौरा नीचे दिया गया है :—

श्री के० एम० नारायणन,
महा प्रबन्धक,
इण्डियन ओवरसीज बैंक,
सैन्दूल आफिस,
पो० बाक्स नं० 3765,
762, अन्ना सलाई,
मद्रास-600002 ।

एम० दास गुप्त,
सचिव

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 अगस्त 1993

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/2624—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोर्ट अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप

में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सह-बद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मन्त्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, जैसा कि संलग्न अनुसूची में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची-II

क्र० सं०	स्थापना का नाम व पता	कोड सं०	भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक व सं० जिस द्वारा	छूट की समाप्ति तिथि	छूट बढ़ाई के० भ० नि० आ० गई तिथि फा० सं०
1	2	3	4	5	6
1.	मै० सीरा अरुनाचलेश्वर मिलज अरुनकराफ्ट हाऊस, वेनकेटेशा मिलज पी० ओ० 642128 उदमतबेट	टी०एन०/ 6919	2/1959/ डी०एल०आई०/ 21-9-90	28-2-90	1-3-90, 2/3091/90, 28-2-93 डी० एल० आई०
2.	मै० साउथ इंडिया स्टील इन्डस्ट्रीज, 110/1, बी० पी० ब्रॉक्स नं० 267 सेलम-636002	„/7429	—वही— 3-5-91	28-2-90	1-3-90, 2/2334/91, 28-2-93 डी० एल० आई०
3.	मै० सेलम स्टील प्लान्ट स्टील एयोरटी आफ इंडिया लि०	„/7694	—वही— 21-8-90	28-2-90	1-3-90, 2/95/78, 28-2-93 डी० एल० आई०
4.	मै० मद्रास आक्सीजन एण्ड एसीटेलेन कं० लि० थैककुपलायम (पोस्ट) पेरेयनेकेन पलायम, कोयम्बटूर-20	„/7945	—वही— 26-2-90	30-9-90	1-10-90, 2/3116/90, 30-9-93 डी० एल० आई०
5.	साउथरन इण्डिया मिल्स ऐग्रीजिनेशन, पी०बी० नं० 3783 रेस क्रोस, कोयम्बटूर-641018	„/7997	—वही— 26-10-89	30-9-89	1-10-89, ए2/1723/88, 30-9-92 डी० एल० आई०
6.	मै० इली० रबर प्रोडक्स लि० 1988 त्रिवि रोड, सिंगनादस कोयम्बटूर-641005	„/8483	—वही—	31-10-90	1-11-90, 2/1967/89, 31-10-93 डी० एल० आई०
7.	मै० गांधी आश्रम, त्रिरुचागोडु, गांधी आश्रम पी० ओ० सेलम डिस्ट्रिक्ट पिन कोड नं०-636201 तमिलनाडु।	„/10177	—वही— 21-5-90	5-5-92	6-5-92, 2/890/93/ 5-5-95 डी० एल० आई०
8.	मै० वेंकाटेशा लि० स्पिन्नरस (प्र०) लि० पैथायामापट्टी, उबुमलयर तालुक, कोयम्बटूर डिस्ट्रिक्ट।	„/10247	—वही— 30-6-92	30-11-90	1-12-90, 2/4046/90, 30-11-93 डी० एल० आई०
9.	मै० सिरि रानी मिल्स (प्रा०) लि० 2/38, चिन्नीपलपलायम, कोयम्बटूर-641062।	„/11102	—वही— 19-1-90	3-4-92	4-4-92, 2/1428/86, 3-4-95 डी० एल० आई०

1	2	3	4	5	6
10. मै० एन० रामू ब्रदर्स (इलेक्ट्रीकल) पो० बा० नं० 3731, 10/224, अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-641018 (इसकी शाखा सदुराई में भी स्थित)	टी० एन०/ 11223	2/1959/ 26-10-89 डी० एल० आई० एक्स/	31-12-90	1-1-91, 31-12-93 डी० एल० आई०	2/1462/90/
11. मै० कोयम्बटूर पापुनर सिनीडग मिलस (प्रा०) लि० त्रिची मेन रोड, पोतगालुर पोस्ट त्रिपुर तालुक, कोयम्बटूर डिस्ट्रीक।	„/12461	—वही— 28-5-92	31-10-90	1-11-90, 2/1142/82/ 31-10-93 डी० एल० आई०	
12. मै० यू० एम० एस० सर्विस लि० 316 गोपाल बाग, अवनाशी रोड, कोयम्बटूर-641018।	„/16387	—वही— 28-5-90	30-4-91	1-5-91, 2/2680/92/ 30-4-94 डी० एल० आई०	
13. मै० अलाइड पोपिंग प्रोडक्ट्स (आई) प्रा० लि० प्लॉट नं० 31 सिपकोट इंडस्ट्रीयल कम्प्लेक्स लि० होसुर-635126।	„/16642	—वही— 2-1-91	31-12-89	1-1-90, 2/3302/92/ 31-12-90 डी० एल० आई०	
14. मै० दि० मेट्टुपलायम को० थोर० स्टोर्स लि०, मेन रोड, मेट्टुपलायम-641301।	„/16911	—वही— 26-2-90	31-8-90	1-9-90 2/1842/88/ 31-8-93 डी० एल० आई०	
15. मै० दि० कोयम्बटूर तिलगिरीण आटोमोबाइल्स मिस्त्रेयर पार्ट्स को० थोर० स्टोर्स लि० नं० के 1748 पो० बा० नं० 6, मेन रोड मेट्टुपलायम-641301 (इसकी शाखाएं भी जो इसी कोड नं० में स्थित हैं)	„/17249	एम-35014 (53) 85 एस० एस० 4/ 25-3-85 और 25-3-91 से 24-3-94	24-3-88	25-3-88 2/1184/85 24-3-91 डी० एल० आई०	
16. मै० प्रीमियर पोन्ट्रोनिक्स लि० 304 त्रिची रोड कोयम्बटूर-641005 (जिसकी शाखाएं मद्रास, अहमदाबाद, बम्बई, कलकत्ता और दिल्ली में हैं)।	„/17467	2/1959/ डी० एल० आई० / एक्सएम 89 26-10-89	31-7-90	1-8-90 2/1838/86/ 31-7-93 डी० एल० आई०	
17. मै० दिनासपेडे सिस्टम प्रा० लि० 136-ए सिपकोट इंडस्ट्रीयल कम्प्लेक्स होसुर- 635126।	„/17801	—वही— 26-10-89	30-6-90	1-7-90 2/1989/89/ 30-6-93 डी० एल० आई०	
18. मै० एल्यी टायर एंड ट्रेड लि० 2000, त्रिची रोड, मिरगानालूट कोयम्बटूर- 641005।	„/21256	2/1959/ डी० एल० आई० 26-10-89	30-9-90	1-10-90 2/1198/89 30-9-93 डी० एल० आई०	
19. मै० रसकीडालू इन्जिनियरिंग 2/12 सेनगालियालयम एन० जी० थोर० कालोनी पोस्ट कोयम्बटूर-641022।	„/21262	—वही— 28-2-90	31-5-92	1-6-92 2/3361/89/ 31-5-95 डी० एल० आई०	
20. मै० श्री व्यास इन्जिनियरिंग वर्क्स 2/278 सेनगालियालयम एन० जी० थोर० कालोनी कोयम्बटूर-641022।	„/21263	—वही— 2-3-90	31-5-92	1-6-92 2/3375/91/ 31-5-95 डी० एल० आई०	
21. मै० रागमिनी राम राधकृष्णरानी (प्रा०) लि० कोयम्बटूर-1।	„/21320	—वही— 16-2-91	28-2-90	1-3-90, 2/3319/90/ 28-2-93	
22. मै० विजय सेन्टेक्स (प्रा०) लि० 8 ए० टी० टी० कालोनी कोयम्बटूर-641018।	„/21341	—वही— 21-11-90	28-2-90	1-3-90 2/3260/90 28-2-93	

अनुसूची-1

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इससे पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसे सेवा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्वर्ण करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत सेवाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, सेवाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसके स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत् करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवये राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवये होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवत वारिस/नाम निर्वर्णितों के प्रतिस्तर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संवाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संवाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संवाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की वशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्वर्णितों या विधिवत वारिसों को जो यदि यह छूट न बी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संवाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्वर्णितों/विधिवत वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

कामठी छावनी परिषद्

कामठी, दिनांक 7 जुलाई, 1993

सं० का० नि० आ० 53/7/सी०/र० सं०/89—छावनी परिषद्, कामठी, 1924 (1924 का 2) की धारा 61 की अपेक्षानुसार, छावनी परिषद्, कामठी ने नोटिस सं० सी० बी० के०/कर संशोधन/3005/डी०-127 दिनांक 29 अप्रैल, 1992 के अन्तर्गत छावनी क्षेत्र की सीमा के अन्दर संशोधित समेकित सम्पत्ति कर लगाने का प्रस्ताव प्रकाशित किया था।

परिषद् ने नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् कर संशोधन के उद्देश्य से नोटिस दिया था।

उक्त नोटिस 29 अप्रैल, 1992 को प्रकाशित किया गया था और जनता की सूचना के लिए भी उपलब्ध कराया गया था।

उक्त अवधि के दौरान जनता से प्राप्त सभी आपत्तियों और सुझावों पर परिषद् द्वारा विधिवत विचार किया गया।

अतः अब छावनी परिषद् ने छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 60 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और का० नि० आ० में 53/7/सी०/एल० एण्ड सी०/82 दिनांक 16 फरवरी, 1985 में प्रकाशित भारत सरकार की अधिसूचना का अतिक्रमण करते हुए तथा भारत सरकार की पूर्ण स्वीकृति से परिषद् एतद्वारा कामठी छावनी सीमा के अन्दर समस्त भूमि तथा भवनों पर उनके वार्षिक कर मूल्य के 23% वार्षिक की दर से एतद्वारा समेकित सम्पत्ति कर लगाता है।

धरम पाल,
छावनी अधिशासी अधिकारी

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

बम्बई, दिनांक 16 जून 1993

सं. यूटी/जी वी डी एम/2131ए/एस पी डी 62/92-93—
संस्थागत निवेशक विशेष निधि यूनिट योजना के प्रावधानों
के संशोधन जिन्हें 6 अप्रैल 1993 को हुई बैठक में कार्य-
कारिणी समिति द्वारा स्वीकृत किया गया है, इसके नीचे
प्रकाशित किए जाते हैं।

अनुबंध

संस्थागत निवेशक विशेष निधि यूनिट योजना के संशोधन

“यूनिटों के लिए आवेदन” पर खण्ड 4 के उप-खण्ड
(2) का संशोधन निम्नलिखित रूप में किया जाएगा :—

“यूनिटों के त्रय के लिए प्रत्येक आवेदन न्यूनतम 2.5 लाख
यूनिटों के लिए होगा अर्थात् 25 लाख रुपये और इसके बाव
50,000 यूनिटों के गुणजों में अर्थात् 5 लाख रुपये बिना कोई
अधिकतम सीमा के होगा।”

इसके अतिरिक्त निम्नलिखित खण्डों के भी संशोधन
होंगे :—

(1) “अन्य योजनाओं से निवेशों के अंतरण” पर खण्ड
5(ए) का पैरा 2 का संशोधन निम्नलिखित होगा :

“न्यूनतम 50,000 यूनिटों के लिए परिवर्तन होगा और
इसके बाव 50,000 यूनिटों के गुणजों में। शेष राशि जो
50,000 यूनिटों के गुणजों में नहीं है उसे यूनिटधारकों को
वापस कर दिया जाएगा।”

(2) “यूनिटों के लिए आवेदन” पर खण्ड 4 के
उप खण्ड (2) में 1 लाख यूनिटों के गुणजों को
(न्यूनतम 10 लाख यूनिटों के अधीन) 50,000
यूनिटों के गुणजों से प्रतिस्थापित किया जाएगा
(न्यूनतम 2.5 लाख यूनिटों के अधीन)।

(3) “यूनिटों की पुनर्खरीद” के खण्ड 6 (2) की 5वीं
और 10वीं पंक्ति में और खण्ड 6 (1) (1) की 8वीं
पंक्ति में आ रहे 1 लाख यूनिटों के “गुणजों” के
स्थान पर “50,000 यूनिटों के गुणजों” को रखा
जाएगा।

(4) यूनिटों की पुनर्खरीद के लिए फार्म के अंत में आ
रहे “1 लाख यूनिटों के गुणजों” को भी “50,000
यूनिटों के गुणजों” से प्रतिस्थापित किया जाएगा।

यूटी/डीबीडीएम/2131ए/एसपीडी 51/इटीसी/92-93—
पुनर्निवेश योजना 1966, नाल उपहार योजना 1970, राज-
लक्ष्मी यूनिट योजना, ओमनी यूनिट योजना 1991 और ओमनी
यूनिट प्लान के प्रावधानों के संशोधन जिन्हें 19 अप्रैल 1993
को हुई बैठक में कार्यकारिणी समिति द्वारा अनुमोदित किया
गया है, इसके नीचे प्रकाशित किये जाते हैं :—

अनुबंध

राजलक्ष्मी यूनिट योजना के संशोधन

(1) योजना के प्रावधानों के खण्ड II के अंतर्गत दी गयी परि-
भाषाओं में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :—

(क) मव (ड1) : “वैकल्पिक संतान” का अर्थ है—
ऐसी बालिका जो उस बालिका से भिन्न हो जिसके

पक्ष में यूनिट जारी की गयी हैं और ऐसा कि इस
योजना के खण्ड 4 (3(6)) में संदर्भ दिया गया है।

(ख) मव (व 1) : पात्र संस्था का अर्थ है—पात्र न्यास ऐसा
कि भारतीय यूनिट ट्रस्ट साधारण नियमावली 1964
के अंतर्गत परिभाषित है और निजी ट्रस्ट जिसे
लिखित अनुदेश के माध्यम से गठित किया गया है
और अप्रतिसंहरणीय है या धर्मार्थ ट्रस्ट या धर्मादा
या पंजीकृत समिति जिसे केन्द्रीय या राजस्व अधि-
नियमन जो अब प्रचलित है, के अंतर्गत या द्वारा
निर्देशित, नियंत्रित या पर्यवेक्षित है (सहकारी
समितियों को छोड़कर)।

(2) “यूनिटों के लिए आवेदन” में खण्ड 4 के उप-खण्ड
में उप खण्ड 3(6) में निम्नलिखित शामिल होगा—कोई
आवेदक जो योजना में शामिल होना चाहता है, आवेदन करते
समय या कोई भी अवधि के दौरान जब उसकी बालिका योजना
में शामिल होती है, आवेदन पत्र में सूचित करें कि सीमित
अवरुद्ध अवधि के अंदर बच्चे की मृत्यु होने की स्थिति में,
इसकी ओर से आवेदन पत्र में उल्लिखित अन्य कोई बालिका
और आवेदन करते समय जिसकी आयु 5 वर्ष से ज्यादा न हो,
पहले उल्लिखित बच्चे के सभी अधिकार पाने का हक्कार होगी।
पहले उल्लिखित बच्चे की मृत्यु, निर्धारित अवरुद्ध अवधि के
अन्दर होने पर योजना के प्रावधान उसी से लागू होंगे जैसा
कि जीवित बसुरा उल्लिखित बच्चा ही आवेदन पत्र में उल्लि-
खित एकमात्र बच्चा था।

(3) योजना के प्रावधान में “यूनिटधारक की मृत्यु” के खण्ड
21 को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा—

(1) जिसके पक्ष में यूनिट जारी की गयी हैं उस बच्चे
की मृत्यु होने की स्थिति में निर्धारित अवरुद्ध
अवधि की समाप्ति के पूर्व ट्रस्ट खण्ड 4 3(6) में
घोषित के अनुसार, वैकल्पिक बच्चा यदि कोई हो,
को ट्रस्ट द्वारा बच्चे के पक्ष में जारी किए गए यूनिटों
के लिए दिये राशि का हक्कार मानेगा।

(2) बच्चे की मृत्यु होने की स्थिति में अवरुद्ध अवधि
की समाप्ति तक वैकल्पिक बच्चा योजना में शामिल
रहेगा बशर्ते कि आवेदक इस संबंध में आवश्यक
सभी ब्यौरों को और योजना में शामिल रहने जैसा
ट्रस्ट चाहे, ट्रस्ट को प्रेषित करता है।

(3) निर्धारित अवरुद्ध अवधि के दौरान बच्चे की मृत्यु
होने की स्थिति में और जहां पर किसी वैकल्पिक
बच्चे का नाम नहीं दिया गया है निष्पादक या मव
बच्चे का प्रशासक या भारतीय उत्तराधिकार अधि-
नियम (1925 का 39) के खण्ड 10 के अंतर्गत
जारी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र के धारक को ही ट्रस्ट
यूनिटों का हक्कार मानेगा।

(4) बच्चे की मृत्यु होने के परिणामस्वरूप यूनिटों के हक-
दार बननेवाले व्यक्ति, अपने हक से संबंधित सभी
आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करने पर, जिसे ट्रस्ट पर्याप्त
समझेगा, उस व्यक्ति को, दावेदार द्वारा दावे में
संबंधित सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के
बाद, दिये राशि का भुगतान किया जाएगा।

(5) बच्चा और वैकल्पिक बच्चा दोनों की एक साथ मृत्यु होने की स्थिति में, केवल मृत बच्चे को वैध उत्तराधिकार ही, मृत बच्चे के नाम जमा यूनिट पाने के हकदार होंगे। वैकल्पिक बच्चे को वैध उत्तराधिकार किसी भी कारण वश बाधे के हकदार नहीं होंगे।

(6) पात्र संस्थाएं, कंपनी, नियमित निकाय, केन्द्रीय राज्य सरकार जो योजना में निवेश के लिए मूद्रा अलग रखते हुए एक ट्रस्ट विलेख या अन्य उचित दस्तावेज बनाना होगा और संस्थाओं के कार्यालय पदाधिकारी या व्यक्तियों को न्यासी के रूप को बनी होगी। ट्रस्ट विलेख में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित होगा :

(क) योजना में निर्देशित राशि निर्धारित अव-रुद्ध अवधि होने के बाद केवल बान्दिका द्वारा ही प्राप्त की जानी चाहिए और परिपक्वता से पूर्व बच्ची की मृत्यु होने पर वही राशि संस्था को वधे होगी और संस्था उसे पाने का हकदार होगी।

(ख) निर्धारित अवरुद्ध अवधि के दौरान संस्था राशि का बाधा करने की स्थिति में नहीं होगी। परिपक्वता के बाद बान्दिका को राशि का भुगतान किया जाएगा।

(ग) साथ ही निर्धारित अवरुद्ध अवधि के दौरान बच्चे की मृत्यु होने की स्थिति में राशि का भुगतान संस्था को किया जाएगा या वैकल्पिक बच्चा नामित करने का विकल्प दिया जाएगा यदि आवेदन करते समय उक्त नामांकन नहीं किया गया हो। इन परिस्थितियों के अंतर्गत परिपक्वता राशि वैकल्पिक बच्चे को भुगतान किया जाएगा।

ओमनी यूनिट योजना 1991 के संशोधन

योजना के प्रावधानों के "आय वितरण" में खण्ड 18 के पहले पैरा को निम्नलिखित रूप में संशोधित किया जाएगा।

"ट्रस्ट लाभों का भुगतान उस वर पर करेगा जो उस वक्त 46 दिन से 1 वर्ष तक की आवधिक जमा के लिए लागू प्रचलित दर होगी। ओमनी यूनिट योजना के प्रावधानों के खण्ड 6 के उप खण्ड (6) में निम्नलिखित पैरा को शामिल किया जाएगा।

"किन्तु मासिक आय योजनाओं की ओर से न्यूनतम निवेश संचयी विकल्प के लिए 200 यूनिट होंगी और मासिक आय विकल्प के लिए 500 यूनिट होंगी।"

ओमनी यूनिट योजना 1991 के संशोधन

ओमनी यूनिट योजना के खण्ड 2 में निम्नलिखित पैरा शामिल किया जाएगा।

"किन्तु, मासिक आय योजनाओं की ओर से न्यूनतम निवेश, संचयी विकल्प के लिए 200 यूनिट होंगी और मासिक आय विकल्प के लिए 500 यूनिट होंगी।"

पुनर्निवेश योजना—1966 का संशोधन

पुनर्निवेश योजना का पैरा 16 निम्नलिखित रूप में संशोधित किया जाएगा—

"इस योजना के अनुसरण में यूनिट धारक को आवंटित यू.एस. 64 के अन्तर्गत यूनिटों का विक्री मूल्य, नये लेखा वर्ष के जुलाई माह के लिए यू.एस. 64 के अन्तर्गत यूनिटों की विक्री के लिए निर्धारित विशेष आकर मूल्य से 2.5% कम रहेगा या राइट्स/तरजीही पेशकश, निर्गम मूल्य या ऐसा अन्य कोई मूल्य जैसा प्रत्येक वर्ष जुलाई माह के लिए ट्रस्ट द्वारा निर्धारित किया जाता है। न्यूनतम मूल्य 5 पैरे के गुणजों के बराबर किया जाएगा और जुलाई, 1993 से प्रभावी होगा।

बाल उपहार योजना—1970 के संशोधन

बाल उपहार योजना 1970 के प्रावधान के पैरा 12 को निम्न-लिखित पैरा से प्रतिस्थापित किया जाएगा—

"आय वितरण की संपूर्ण राशि के बारे में समझा जाएगा कि आंशिक यूनिट सहित यूनिटों के क्रय के लिए आवेदन किया गया है। इस योजना के अनुसरण में यूनिटधारक को आवंटित यू.एस. 64 के अन्तर्गत यूनिटों का विक्री मूल्य, नये लेखा वर्ष यूनिटों की विक्री के लिए निर्धारित विशेष पेशकश मूल्य से 2.5% कम रहेगा या राइट्स/तरजीही/पेशकश निर्गम मूल्य या ऐसा अन्य कोई मूल्य जैसा ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष जुलाई माह के लिए ट्रस्ट द्वारा निर्धारित किया जाता है। न्यूनतम मूल्य को 5 पैरे के गुणजों के बराबर किया जाएगा और ये जुलाई 1993 से प्रभावी होगा।"

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

बम्बई

यूटी/डीबीडीएम/2131ए/एसपीडी 51/एटीसी/92-93—

दिनांक जून 16, 1993

यूनिट योजना 1964, पुनर्निवेश योजना 1966, बाल उपहार योजना 1970, राजलक्ष्मी यूनिट योजना और बाल उपहार वृद्धि निधि यूनिट योजना 1986 के प्रावधानों के संशोधन, जिन्हें 13 मई 1993 को हुई बैठक में कार्यकारिणी समिति ने अनुमोदित किया है, इसके नीचे प्रकाशित किये जाते हैं :—

अनुबंध

यूनिट योजना 1964 का संशोधन

यूनिट योजना 1964 के प्रावधानों में एक नया खण्ड 22 'ख' जोड़ा जाएगा।

"ट्रस्ट यूनिटधारकों को, ऐसे मूल्य/मूल्यों पर और ऐसी शर्तों पर और ऐसे फार्म और रूप में अंशदान के लिए यूनिटों की पेशकश करेगा जो इस प्रयोजन के लिए ट्रस्ट द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

इसी प्रकार ट्रस्ट ऐसे यूनिटधारकों को ऐसे मूल्य/मूल्यों पर और ऐसी शर्तों पर और ऐसे फार्म और रूप में आय वितरण की पेशकश करेगा जो इस प्रयोजन के लिए ट्रस्ट द्वारा निश्चय किया जाएगा।

बाल उपहार योजना—1970 का संशोधन :

बाल उपहार योजना 1970 के प्रावधान में एक नया खण्ड 11 'क' जोड़ दिया जाएगा—

“ ‘ट्रस्ट’ ऐसे सदस्यों को ऐसे मूल्य/मूल्यों पर और ऐसी शर्तों पर और ऐसे फार्म और रूप में अभिदान के लिए यूनिटों की पेशकश करेगा जो इस प्रयोजन के लिए ट्रस्ट द्वारा निर्धारित किया जाएगा । इसी प्रकार ट्रस्ट ऐसे सदस्यों को जैसा लागू होगा ऐसे मूल्य/मूल्यों पर और ऐसी शर्तों पर और ऐसे फार्म और रूप में आय वितरण की पेशकश करेगा जैसा इस प्रयोजन के लिए ट्रस्ट द्वारा निश्चय किया जाएगा । ”

पुनर्निवेश योजना—1966 का संशोधन :

पुनर्निवेश योजना 1966 के प्रावधान में एक नया खण्ड 17 'क' जैसा नीचे दिया गया है, जोड़ दिया जाएगा ।

“ट्रस्ट ऐसे यूनिटधारकों को ऐसे मूल्य/मूल्यों पर और ऐसी शर्तों पर और ऐसे फार्म और रूप में अभिदान के लिए यूनिटों की पेशकश करेगा जो इस प्रयोजन के लिए ट्रस्ट द्वारा निर्धारित किया जाएगा ।

इसी प्रकार ऐसे सदस्यों को ऐसे मूल्य/मूल्यों पर और ऐसी शर्तों पर और ऐसे फार्म तथा रूप में आय वितरण की पेशकश करेगा जो इस प्रयोजन के लिए ट्रस्ट द्वारा निश्चय किया जाएगा । ”

बाल उपहार वृद्धि निधि यूनिट योजना—1986 का संशोधन :

एक नया उप खण्ड 19 (ख) इस रूप में जोड़ दिया जाएगा :
उप खण्ड 19 (ख) :

एक कम्पनी, एक निगमित निकाय, पंजीकृत समिति या पात्र संस्था जो इस योजना में निवेश करने के लिए पैसे अलग रख रही है, को ट्रस्ट विलेख या अन्य उचित दस्तावेज लिखना होगा जिससे संस्थाओं में कार्यालय पदाधिकारी या न्यासी के रूप में व्यक्ति होंगे । ट्रस्ट विलेख में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित भी होगी :—

(क) 21 वर्ष की आयु हो जाने पर इस योजना में निवेश की गयी राशि बच्चे द्वारा प्राप्त की जा सकती है और निवेश की परिपक्वता के पूर्व बच्चे की मृत्यु हो जाने की स्थिति में और वैकल्पिक बच्चा न होने पर, उचित राशि संस्था को देय होगा और संस्था भी उसे पाने का हकदार होगा ।

(ख) निवेश की परिपक्वता के पूर्व पहले नामित बच्चे की मृत्यु की स्थिति में, वैकल्पिक बच्चे को नामित करने का विकल्प संस्था को दिया जाएगा यदि ऐसे वैकल्पिक बच्चे का नाम नहीं किया गया हो । उन परिस्थितियों में परिपक्वता के बाद निवेश का भुगतान वैकल्पिक बच्चे को दिया जाएगा ।

(ग) पहला बच्चा और वैकल्पिक बच्चा दोनों की मृत्यु हो जाने की स्थिति में केवल संस्थाओं को और न कि बच्चा/वैकल्पिक बच्चा का वैध उत्तराधिकारी/या ट्रस्ट द्वारा देय राशि प्राप्त करने का अधिकारी होगा ।

(घ) अवरोद्ध अर्द्ध के दौरान संस्था किसी भी स्थिति में राशि का दावा नहीं कर सकती । परिपक्वता के बाद राशि का भुगतान बच्चे को किया जाएगा ।

राजलक्ष्मी यूनिट योजना का संशोधन :

(1) “यूनिटों के लिए आवेदन” के खण्ड 4 का संशोधन निम्नलिखित रूप में किया जाएगा :—किसी वयस्क भारतीय एकल निवासी या अनिवासी कोई कम्पनी, निगमित निकाय, पंजीकृत समिति, पात्र ट्रस्ट, केन्द्रीय/राज्य सरकार या कोर्ट द्वारा नियुक्त अभिभावक जो बालिका जिसकी आयु आवेदन करने की तिथि को 5 वर्ष से ज्यादा न हो के पक्ष में योजना में शामिल होने के इच्छुक है, भारतीय यूनिट ट्रस्ट द्वारा निर्धारित पद्धति से यूनिटों के लिए आवेदन कर सकते हैं । अनिवासी व्यावर्तन या अप्रत्यावर्तन आधार पर निवेश के स्रोत और वैध उत्तराधिकारी(यों)/आवाता(ओं) की आवश्यक स्थिति को मद्दे नजर रखते हुए निवेश कर सकते हैं । यदि आवेदक वयस्क अनिवासी भारतीय है और भारतीय राष्ट्रीय या भारतीय मूल का व्यक्ति है, तो शाश्वत बच्चा अनिवासी या निवासी हो सकता है । वैकल्पिक बच्चा भी अनिवासी या निवासी हो सकता है । ”

(2) निम्नलिखित खण्ड 4 में एक नया उप-खण्ड (3क) जोड़ा जाएगा :—अनिवासी भारतीय वयस्क द्वारा आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान आवेदन पत्र के साथ, अनिवासी (साधारण)/अनिवासी (बाह्य) । विदेशी मुद्रा अनिवासी साता जो भारत में क्रेता के नाम में है और अनिवासी जो भारत में विदेशी मुद्रा में अधिकृत व्यापारी के पास है, को नामों कर या सामान्य बैंकिंग माध्यम द्वारा विदेशी मुद्रा को प्रेषित किया जा सकता है । आवेदन पत्र ट्रस्ट के कार्यालय में भी रुपया चेक/ड्राफ्ट के साथ प्रस्तुत किया जा सकता है ।

नेपाली या भूटानी मुद्राओं में भुगतान स्वीकृत नहीं किया जाएगा ।

(3) निम्नलिखित खण्ड 4 उप खण्ड (4) को जोड़ा जाएगा । अनिवासी भारतीय आवेदक के मामले में बच्चे के नाम का यूनिट प्रमाणपत्र आवेदन पत्र

में दिए गए पते पर भेज दिया जाएगा या आवेदक को बैंक के पते पर जो भारत में है और जो अधिकृत व्यापारी है या आवेदक के स्थायी/वर्तमान पते के देश को बैंक को भेज दिया जाएगा।

- (4) "आय वितरण" के खण्ड 23 में निम्नलिखित जोड़ दिया जाएगा। अनिवासी बच्चे के मामले में, संचयी राशि विदेशी मुद्रा में अवरोध अविधि की समाप्ति के बाद प्रेषित किया जा सकता है, बशर्ते कि मूल यूनिट विदेश से प्रेषण द्वारा खरीदा गया हो, या अनिवासी बाह्य/एफ सी एन आर खाता में और आदाता बच्चा विदेश का निवासी है। यदि यूनिट अनिवासी (साधारण), खाता में खरीदा गया हो, संचयी राशि को अनिवासी साधारण (खाता) में बच्चे के नाम भारत के बैंक में जो विदेशी मुद्रा में अधिकृत व्यापारी है, जमा किया जाएगा। निवासी बच्चे के मामले में संचयी राशि को भुगतान रूपों में किया जाएगा।

- (5) "यूनिटधारकों को लाभ" के खण्ड 29 में निम्नलिखित जोड़ दिया जाएगा :—अनिवासी व्यस्क व्यक्ति द्वारा दिए गए आवेदन पत्रों के सम्बंध में निवासी/अनिवासी दाता को प्रदान की गयी सृष्टि/उपलब्ध लाभ, विदेशी मुद्रा निम्नलिखित विनियमों के अनुसार होंगी जो समस्त-समय पर लागू होंगे।

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

बम्बई, दिनांक 18 अगस्त 1993

मं. यूटी/डीडीजीएम/393ए/एएनपी 60/93-94--वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान के प्रावधान जो भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 की धारा 19(1)(8)(सी) के अंतर्गत बनाए गए हैं और वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना जो भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 की धारा 21 के अंतर्गत बनायी गयी है और जिसे 6 अप्रैल 1993 को हुई बैठक में कार्यकारिणी समिति ने अनुमोदित किया है तथा 13 मई 1993 की कार्यकारिणी समिति की बैठक में संशोधित किए गए हैं, इसके नीचे प्रकाशित किए जाते हैं।

वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 21 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय यूनिट ट्रस्ट का न्यासी मंडल एतद्द्वारा निम्नलिखित योजना बनाता है :

उद्देश्य

वर्तमान समय में देश में कोई चिकित्सा सुरक्षा व्यवस्था नहीं है जो व्यक्तियों को विशेष कर सेवा निवृत्ति के बाद अस्पताल में भर्ती होने सम्बंधी खर्चों से सुरक्षा प्रदान कर सके। वरिष्ठ नागरिकों की चिकित्सा इलाज और अस्पताल में भर्ती होने पर होने वाले खर्चों में सुरक्षा प्रदान के दृष्टिकोण से ट्रस्ट

अब वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना आरंभ करता है। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य है व्यक्तियों को बचत करने के लिए सहायता प्रदान करना ताकि वे वरिष्ठ नागरिक बनने पर अपने लिए और अपने पति/पत्नी के लिए सुनिश्चित चिकित्सा और अस्पताल में भर्ती होने सम्बंधी खर्चों की सुविधा प्राप्त कर सकें।

1. संक्षिप्त शीर्षक और योजना का आरंभ :

(1) यह योजना सतत खुली योजना रहेगी और "वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना" (एससीयूएस) कही जाएगी।

(2) यह 1[3 मई, 1993] से प्रभावी होगी।

(3) इस योजना के अंतर्गत आरंभ यूनिटों की बिक्री 2[3 मई, 1993 से 25 जून 1993 तक] होगी। तत्पश्चात् ट्रस्ट प्रत्येक वर्ष 1 जनवरी से 31 मार्च तक या समय समय पर ट्रस्ट द्वारा निश्चित की गयी किसी तीन माह की अवधि के दौरान बिक्री खुली रहेगी। (किन्तु अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी योजना के अंतर्गत यूनिटों की बिक्री इस अवधि के बीच किसी भी समय समाचार पत्रों में या किसी भी अन्य मिडिया के माध्यम से एक सप्ताह की सूचना देकर स्थगित/जारी रख सकते हैं।)

2. परिभाषाएं :

इस योजना में जब तक कि विषयवस्तु में अन्यथा उपेक्षित न हो,

(क) "अधिनियम" का अर्थ है भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963;

(ख) "स्वीकृति तिथि" आवेदक द्वारा यूनिटों की बिक्री या आहरण के लिए ट्रस्ट को भेजे गए आवेदन पत्र के संदर्भ में स्वीकृति तिथि का अर्थ है उक्त तिथि जब ट्रस्ट संतुष्ट होकर आवेदन पत्रों को स्वीकार करता है कि यह सही है।

(ग) "किसी भी बीमारी" को लगातार अविधि की बीमारी मानी जाएगी और इसमें डाक्टर/अस्पताल/नर्सिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/अन्य समान संस्था के साथ अंतिम परामर्श की तिथि से 45 दिनों के भीतर फिर से बीमार पड़ना शामिल होगा। 45 दिनों जैसा कि ऊपर दिया गया है, की समाप्ति के बाद किसी प्रकार की बीमारी होने पर नयी बीमारी मानी जाएगी।

(घ) 3[अस्पताल/नर्सिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/किसी अन्य समान संस्था को]³ आंतरिक सुरक्षा और बीमारी और क्षति को इलाज के लिए भारत में स्थापित की गयी संस्था के रूप में माना जाएगा और जिसे अस्पताल या नर्सिंग होम या

1. "19 अप्रैल 1993" के लिए दि. 13-5-1993 को प्रतिस्थापित किया।

2. "19 अप्रैल 1993 से 31 मई 1993" के लिए दि. 13-5-1993 को प्रतिस्थापित किया।

3. चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/कोई अन्य समरूपी संस्थान को शामिल करने के लिए 13-5-93 को यथा संशोधित।

चिकित्सा सुरक्षा केन्द्र या अन्य समान संस्था के रूप में स्थानीय प्राधिकारी के पास पंजीकृत किया गया है और जो योग्य डाक्टर की निगरानी में है।

“अस्पताल” शब्द के अंतर्गत विश्राम लेने की जगह, वृद्ध व्यक्तियों की जगह नशीली पदार्थों के सेवन करनेवालों की जगह, मद्यपान करने वालों की जगह, होटल या ऐसे समान जगह, शामिल नहीं होंगे। यदि अस्पताल/नर्सिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र या अन्य समान संस्था स्थानीय प्राधिकारी के साथ पंजीकृत नहीं है, निम्नलिखित न्यूनतम शर्तों को पूरा करना होगा :—

- (1) उस में कम-से-कम 10 बाहरी रोगियों के लिए व्यवस्था होनी चाहिए।
- (2) दिन रात काम करने वाले, पूर्ण रूप से सज्जित नर्सिंग स्टाफ होना चाहिए।
- (3) पूर्ण रूप से सज्जित आपरेशन थियेटर होना चाहिए।
- (4) केन्द्र में दिन रात एक चिकित्सक प्रभारी के रूप में रहना चाहिए।

(क) “चिकित्सक” का अर्थ है कोई भी व्यक्ति जिसके पास मान्यताप्राप्त संस्था से डिग्री/डिप्लोमा है और जिसे भारत के सम्बंधित राज्य के मेडिकल काउंसिल द्वारा पंजीकृत किया गया है।

(घ) “इस्य में यूनिटों की संख्या” का अर्थ है बेचे गए और बकाया कुल यूनिटों की संख्या।

(छ) “योग्यताप्राप्त नर्स” का अर्थ है कोई व्यक्ति जिसके पास मान्यताप्राप्त नर्सिंग काउंसिल का प्रमाण पत्र/डिप्लोमा है और जिसे सेवा करने वाले चिकित्सक के सिफारिश से नियोजित किया है।

(ज) “मान्यताप्राप्त श्वेयबाजार” का अर्थ है कोई श्वेय-बाजार जो उस समय के लिए प्रतिभूति सविदा विनियम अधिनियम 1956 (1956 का 42) के अंतर्गत मान्यताप्राप्त है।

(झ) “चिकित्सा बीमा सुरक्षा” का अर्थ है इसमें शामिल योजना और इससे अंतर्गत बनाया गया प्लान के अधीन उपलब्ध चिकित्सा लाभ जो अस्पताल में भर्ती होने पर 5 लाख रुपये तक की राशि, जो सदस्य और पत्नी/पत्नी के लिए वये है।

(ञ) “विनियम” का अर्थ है भारतीय यूनिट ट्रस्ट सामान्य विनियमावली 1964 जो अधिनियम की धारा 43 (1) के अंतर्गत बनायी गई है।

(2) “यूनिट” का अर्थ है यूनिट पूंजी में 10 रुपये के अंकित मूल्य का एक अविभक्त शेयर।

(ट) अन्य सभी अभिव्यक्तियों जिन्हें यहां परिभाषित नहीं की गयी है किन्तु अधिनियम में परिभाषित है, का वही अर्थ होगा जो अधिनियम में दिए गए हैं।

3. प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य :

प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य 10/- रुपये होगा।

4. यूनिटों के लिए आवेदन पत्र :

यूनिटों के लिए आवेदन पत्र केवल एकल आधार पर 21—55 आयु वर्ग के निवासी व्यक्ति कर सकते हैं, (संयुक्त आधार पर आवेदनों को अनुमति नहीं है) जो लाभ सदस्य और पति/पत्नी दोनों के लिए होगा। पेशकश की आरंभ की अवधि से 60 वर्ष की आयु के व्यक्तियों को भी शामिल होने की अनुमति है।

[इस अवधि में, सदस्य की आयु योजना में शामिल होने के समय यदि 55 वर्ष पूरी हो, तब पति/पत्नी की आयु 60 वर्ष से अधिक न हो।]

आवेदन पत्र वैसे फार्म में जमा करना होगा जो ट्रस्ट के अध्यक्ष/कार्यपालक न्यासी द्वारा अनुमोदित किया गया हो।

5. निवेश की न्यूनतम राशि :

आवेदन 2 [10] यूनिटों के गुणों में किया जाएगा जो निर्धारित न्यूनतम यूनिटों की संख्या के अधीन होगा, जो प्लान में शामिल होने के समय सदस्य की आयु के अनुसार अलग-अलग होगा या ऐसे अन्य न्यूनतम यूनिटों की संख्या जैसा निर्धारित किया गया हो। 21 वर्ष की आयु के निवेशक को न्यूनतम 2600/- रु. निवेश करना होगा और 55 वर्ष की आयु के निवेशक को न्यूनतम 38,000/- रुपये निवेश करना होगा ताकि 5 लाख रुपये तक की बीमा सुरक्षा पा सके। 60 वर्ष की आयु के व्यक्ति जो आरंभिक पेशकश अवधि के दौरान शामिल होता है, उन्हें 34,200/- निवेश करना होगा। निवेश की जाने वाली न्यूनतम राशि (दिए गए सारणी के अनुसार) निधि की वृद्धि के अनुसार बदलेगी और प्रीमियम राशि की समीक्षा यदि कोई हो, विक्री की अवधि के दौरान की जाएगी और उचित समय पर घोषित की जाएगी।

1 दि. 13-5-1993 को जोड़ा गया।

2 100 यूनिटों के लिए दि. 13-5-93 को प्रतिस्थापित किया गया।

एस० सी० यू० एस०-93 के अंतर्गत अपेक्षित न्यूनतम राशि

आयु	न्यूनतम राशि	आयु	न्यूनतम राशि	आयु	न्यूनतम राशि
21	2500	34	5800	47	18400
22	2500	35	6300	48	20300
23	2500	36	6900	49	22300
24	2600	37	7500	50	24500
25	2800	38	8200	51	26700
26	3000	39	9000	52	29000
27	3300	40	9800	53	32000
28	3600	41	10600	54	35000
29	3900	42	11700	55	38000
30	4200	43	12800	56	30300
31	4500	44	14000	57	31100
32	4900	45	15300	58	32000
33	5300	46	16700	59	33000
				60	34200

उपयुक्त सारणी के लिए पूर्वानुमान

(1) 51 वर्ष की आयु तक के लिए प्रीमियम 5% की दर से बढ़ेगा और इसके बाद 0% की दर से (चौथे वर्ष के बाद 20% वृद्धि)।

(2) निवेश निम्नलिखित रूप में बढ़ेगा (आयु वर्ग वार)
21 से 30—14%; 31 से 40—14.5%; 41 से 45—15%; 46 से 50—15.5%; 51 से 55—16%।

(3) 5625/- रुपए के प्रीमियम 4 किशतों में भुगतान किया जाएगा और 4975/- रुपए के तीन किशतों (13% की छूट दी गयी)।

(4) प्रीमियम की दर दोनों सदस्य और पति/पत्नी के लिए होगी।

(5) 55 वर्ष की आयु तक न्यूनतम राशि, वार्षिकी देने के लिए प्रीमियम राशि की 1.5 होगी। 55 वर्ष की आयु के ऊपर के लिए केवल प्रीमियम सम्मिलित है।

(6) राशि को समीपवर्ती 100 में पूर्णकृत किया गया है।

निवेश की न्यूनतम राशि जैसा कि ऊपर उल्लिखित है, में अस्पताली चिकित्सा सुरक्षा जो सदस्य और पति/पत्नी दोनों के लिए दिये हैं, शामिल होगा। निर्दिष्ट न्यूनतम राशि से अधिक के किसी निवेश से अतिरिक्त चिकित्सा बीमा सुरक्षा के पात्र नहीं होंगे किन्तु वार्षिकी की राशि या समाप्ति लाभ बढ़ेगा। निवेश की अधिकतम राशि पर कोई सीमा नहीं रहेगी। बहुविध सदस्यता, की अनुमति नहीं होगी।

आवेदक द्वारा आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान आवेदन पत्र के साथ नकद, चेक या ड्राफ्ट द्वारा किया जाएगा। चेक और ड्राफ्ट उन शहरों के बैंक की शाखाओं पर आहरित होंगे जहाँ पर ट्रस्ट कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है और केवल "रेखांकित खाता आदाता" ही होगा।

यदि भुगतान चेक द्वारा किया जाता है ऐसे चेक की राशि की प्राप्ति होने के अधीन, स्वीकृति तिथि ट्रस्ट के किसी भी कार्यालय द्वारा चेक प्राप्त होने की तिथि होगी। यदि भुगतान ड्राफ्ट द्वारा किया जाता है, ऐसे ड्राफ्ट की राशि की प्राप्ति होने के अधीन, स्वीकृति तिथि, ड्राफ्ट जारी करने की तिथि होगी बशर्त कि आवेदन पत्र उचित समय के अन्दर ट्रस्ट के कार्यालय में उचित समय पर प्राप्त किया गया हो। यदि आवेदित यूनिटों के लिए प्रस्तुत की गयी राशि, आवेदित यूनिटों के लिए दिये राशि को सम्मिलित करने के लिए पर्याप्त नहीं है, आवेदक को योजना के अंतर्गत न्यूनतम यूनिटों के अधीन कम यूनिट जारी की जाएगी और दिये शेष राशि उन्हें वापस कर दी जाएगी, ऐसी पद्धति से जिसे ट्रस्ट सही समझेगा। यदि कोई आवेदन पत्र पूर्ण नहीं है या उस आवेदक द्वारा प्रस्तुत किया गया है जो योजना में निवेश करने के पात्र नहीं है तो उक्त राशि बिना व्याज के वापस कर दी जाएगी।

6. पति/पत्नी का विवरण जमा करना :

योजना में शामिल होने के समय जिन सदस्यों के पति/पत्नी हैं, आवेदन फार्म में ही उनके ब्योरे दें। इस मामले में कोई भी परिवर्तन को तुरन्त आवश्यक बंध दस्तावेजों के साथ ट्रस्ट को सूचित करना चाहिए, ऐसे मामले में नये पति/पत्नी (स्पाउज) चिकित्सा बीमा सुरक्षा के पात्र होंगे। योजना में शामिल होने के समय जो सदस्य विवाहित नहीं हैं, विवाह के तुरन्त बाद उन्हें पति/पत्नी के ब्योरे प्रस्तुत करना चाहिए। 54 वर्षों की समाप्ति के बाद किन्तु 55 वर्ष की समाप्ति के पहले ट्रस्ट पति/पत्नी के बारे में नाम, पता और हाल में लिए गए फोटो और हस्ताक्षर सहित ब्योरे की मांग करेगा। परिचय पत्र उस समय दी गयी सूचना के आधार पर जारी की जाएगी। सदस्य को यह विकल्प दिया जाएगा कि वे उस समय पति/पत्नी को योजना के अंतर्गत शामिल होने की बात की पुष्टि करते हैं/करती हैं या नहीं। यदि पति/पत्नी का ब्योरा सदस्य द्वारा नहीं दिया गया है, लाभ केवल सदस्य के लिए ही उपलब्ध होगा और एन आई ए सी को कम प्रीमियम दिया जाएगा।

7. यूनिटों की बिक्री :

ऐसा माना जाएगा कि ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की बिक्री की संविदा स्वीकृति तिथि को पूरी की गयी है। बिक्री के लिए संविदा की समाप्ति पर, ट्रस्ट, इसके बाव यथाशीघ्र आवेदक को पावती भेजेगा। इसके बाव यथाशीघ्र ट्रस्ट आवेदक को एक यूनिटों को संख्या देते हुए सदस्यता प्रमाणपत्र जारी करेगा। सदस्यता प्रमाणपत्र पंजीकृत डाक द्वारा पावती सहित या इसके बिना आवेदक द्वारा दिए गए पते पर भेजा जाएगा और ट्रस्ट भेजे गए सदस्यता प्रमाण पत्र की किसी भी प्रकार की हानि, क्षति या गैर सुपुर्बागी के लिए जिम्मेदार नहीं रहेगा।

8. सदस्यता से हट जाना :

जो 55 वर्ष की आयु से पहले योजना में शामिल हुए हैं, उनके लिए न्यूनतम 1 वर्ष की अवरोध अवधि होगी। आवेदन पत्र की तिथि से 1 वर्ष की अवरोध अवधि के बाद 3 वर्ष की समाप्ति तक, सदस्य योजना से हट सकता है और उसे प्रशासनिक और अन्य लागत की 5% घटाकर अंशदान वापस कर दिया जाएगा। 3 वर्ष की समाप्ति के बाद, सदस्य किसी भी समय सदस्यता से हट सकता है, और अंशदान राशि के योग्य राशि अदा की जाएगी, यदि कोई बीमा प्रीमियम का भुगतान किया गया हो तो उसका समायोजन कर 10% प्रति वर्ष की दर से परिकलित कर किया जाएगा। यह मूल्य वृद्धि का दर प्रत्येक दो वर्ष में पुनरीक्षित की जाएगी। सदस्य को सदस्यता से हटने के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तिथि के पूर्व, उक्त कैलेंडर वर्ष की पिछली तिमाही की समाप्ति तक राशि दिये होगी। 55 वर्ष की आयु के बाद विशेष पेशकश अवधि के दौरान योजना में शामिल होनेवाले सदस्यों को आहरण की यह सुविधा उपलब्ध नहीं होगी किन्तु प्रीमियम के 7 किशतों के भुगतान के बाद, समाप्ति लाभ की समान राशि आहरित की जा सकती है। 55 वर्ष की आयु तक योजना

में शामिल होनेवाली सदस्यों के मामले में, यदि सदस्यता 58 वर्ष की आयु के बाद वापस ली जाती है (अर्थात् प्रीमियम के चौथे किस्ते के भुगतान के बाद) 2.5 लाख की चिकित्सा बीमा सुरक्षा उपलब्ध होगी। उसी प्रकार 61 वर्ष की आयु के बाद प्लान से आहरण करने पर 5 लाख रुपये तक की चिकित्सा बीमा सुरक्षा उपलब्ध होगी।

जो 55 वर्ष की आयु के बाद योजना में शामिल होते हैं, उन्हें 5 लाख रुपये तक की चिकित्सा बीमा सुरक्षा उपलब्ध होगी यदि वे योजना में शामिल होने के 6 वर्षों के बाद प्लान से हटते हैं।

9. यूनिटों की बिक्री और पुनर्खरीद मूल्य पर प्रतिबंध :

(1) इस योजना के प्रावधान में किसी बात के अन्वयाहते हुए, ट्रस्ट यूनिटों को बेचने या पुनर्खरीद करने के लिए बाध्य नहीं होगा :—

- (1) ऐसे दिनों को जो कार्य-दिवस नहीं हैं और
- (2) उस अवधि के दौरान जब सदस्यों का रजिस्टर वार्षिकी—लेखा बंदी के कारण बंद हो (जैसा ट्रस्ट द्वारा अधिसूचित किया गया है)।

स्पष्टीकरण : इस योजना के प्रयोजन के लिए, "कार्य-दिवस" का अर्थ होगा, वह दिन जो न तो

- (1) महाराष्ट्र राज्य में परक्रम्य सिद्ध अधिनियम 1881 के अंतर्गत सार्वजनिक अवकाश के रूप में अधिसूचित किया है—
- (2) ट्रस्ट द्वारा सरकार के राजपत्र में ट्रस्ट का मुख्य कार्य-लय बंद करने के दिन के रूप में अधिसूचित किया गया है—

(2) (1) यह माना जाएगा कि स्वीकृति तिथि को पुनर्खरीद की संविदा पूरी हो गयी है।

(2) जहां आवेदक द्वारा यूनिटों की पुनर्खरीद के लिए दिए गए आवेदन को ट्रस्ट द्वारा स्वीकृत किया गया है, ट्रस्ट यथाशीघ्र आवेदक को पावती भेजेगा।

(3) ट्रस्ट द्वारा पुनर्खरीद की गयी यूनिटों के लिए भुगतान यथाशीघ्र स्वीकृति तिथि के बाद किया जाएगा, ऐसी पद्धति से जैसा आवेदन पत्र में बताया गया हो। किसी भी स्थिति में आवेदक को दिये राशि पर ब्याज नहीं दिया जाएगा और प्रेषण का लागत या ट्रस्ट द्वारा भेजे गए चेक या डाफ्ट की बसुली का भार आवेदक द्वारा ही वहन किया जाएगा।

10. स्वीकृति तिथि को बिक्री और पुनर्खरीद के मूल्य के अनुसार यूनिटों की बिक्री या पुनर्खरीद :

(1) ट्रस्ट द्वारा यूनिटों की प्रत्येक बिक्री या पुनर्खरीद, स्वीकृति तिथि के प्रचलित सम्बंधित मूल्यों/दरों पर की जाएगी।

(1) उक्त मूल्य पर जिस पर ट्रस्ट द्वारा यूनिट बेचे जायेंगे। (इसके बाद "बिक्री मूल्य" कहा जाएगा)।

(2) यूनिटों सममूल्य पर बेची जाएंगी।

(2) किसी बात के अन्वयाहते हुए जब ट्रस्ट संतुष्ट है कि ट्रस्ट के हित में, सदस्य और योजना की निरंतरता, और वृद्धि आवश्यक या कालोचित है, ट्रस्ट बिक्री मूल्य या पुनर्खरीद दर/सदस्यता की वापसी की पद्धति या दोनों एंसे दर पर जो उपर्युक्त प्रावधानों के अनुसार नहीं होगी, निर्धारित करेगा और ऐसे निर्धारण को सदस्य और ट्रस्ट के हित में समझा जाएगा।

11[10ए] आय की घोषणा और पुनर्निवेश :

ट्रस्ट प्लान के अंतर्गत मूल्य वृद्धि की दर प्रत्येक वर्ष जुलाई में घोषित करेगा जिसे अतिरिक्त यूनिटों में सममूल्य पर पुनः निवेशित की जाएगी, किन्तु, ऐसी पहली घोषणा केवल जुलाई, 1994 में ही की जाएगी। मूल्य-वृद्धि आवेदन पत्र की स्वीकृति तिथि के अनुसार यथानुपात आधार पर होगा। एन आई ए सी को दिये प्रीमियम इस मूल्य-वृद्धि/मूल्य निवेश या दोनों से भुगतान किया जाएगा।

सदस्य निर्धारित आय प्राप्त करने पर वार्षिकी की दर ट्रस्ट द्वारा प्रत्येक वर्ष जुलाई में घोषित और भुगतान की जाएगी।

11. इस योजना के संबंध में आस्तियों का मूल्यांकन :

आस्तियों के मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए आस्तियों का विभाजन निम्नलिखित रूप में होगा (क) नकद राशि (ख) निवेश (ग) सम्पत्तियां (घ) अन्य आस्तियां :—

(क) निवेशों का मूल्यांकन—

निवेशों का मूल्यांकन निम्नलिखित को शामिल कर किया जाएगा :—

(क) किसी भी कार्य दिवस को शेयर बाजार के बंद होने के समय जिस मूल्य पर एस योजना के संबंध में ट्रस्ट द्वारा धारित प्रतिभूतियों का मूल्यांकन किया जाता है, तथा एक से अधिक शेयर बाजारों पर प्रतिभूति का भाव कोट किया जाता है वैसे स्थिति में उक्त प्रतिभूति का मूल्य निर्धारण की रीति ट्रस्ट द्वारा निर्दिष्ट की जाएगी।

(ख) जहां निवेश का व्यवहार संगत अवधि के दौरान नहीं किया गया या किसी मान्यताप्राप्त शेयर बाजार में उसी के मूल्य कोट भी नहीं किए गए, ऐसी परिस्थिति में ट्रस्ट उक्त निवेश का उचित मूल्य समझेगा वह निर्धारित करेगा।

1. दि. 13-05-1993 को जेड़ा गया।

इसमें जोड़ें :

- (ग) व्याज उर्जित करने वाली जमा राशियों के मामले में प्रोद्भूत व्याज किन्तु अप्राप्त ।
- (घ) सरकारी प्रतिभूतियों और डिबेंचरों के मामले में प्रोद्भूत व्याज किन्तु अप्राप्त ।
- (ङ) बिना लाभांश के कोट किए गए सरवीही शेरों और ईक्विटी शेरों के मामले में कोट किए गए पूर्व लाभांश घोषित लाभांश किन्तु अप्राप्त ।

(ख) अन्य आस्तियों का मूल्यांकन :

तिथि में अन्य आस्तियों का मूल्यांकन उनकी बाहियों में अंकित मूल्य पर किया जाएगा या प्राप्त मूल्य पर जो भी कम हो । दूसरे शब्दों में, यदि ट्रस्ट को यह जानकारी में लायी जाती है कि अन्य आस्तियों के बाजार मूल्य में मूल्य-ह्रास हुआ है निर्धारित बाजार मूल्य को ही लिया जाएगा ।

12. सदस्यता प्रमाणपत्र का फार्म :

अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित फार्म में सदस्यता प्रमाणपत्र होगा । प्रत्येक यूनिट प्रमाणपत्र में एक विभेदक संख्या जितनी यूनिटों का यह प्रमाणपत्र है उनको संख्या और सदस्यों के नाम होंगे । सदस्यता प्रमाणपत्र में एक वर्ष की अवधि अवधि समाप्त होने की तिथि भी होगी ।

13. सदस्यता प्रमाणपत्र तैयार करने की विधि :

जैसा बोर्ड समय-समय पर निर्धारित करेगा, सदस्यता प्रमाणपत्र उत्कीर्ण या लिथोग्राफ या मुद्रित किया जाएगा और ट्रस्ट की ओर से हस्ताक्षरित होगा । प्रत्येक हस्ताक्षर, स्वहस्ताक्षरित होगा या किसी यांत्रिकी विधि से लाया गया होगा । जब तक सदस्यता प्रमाणपत्र इस रूप में हस्ताक्षरित नहीं होगा, तब तक वह मान्य नहीं होगा । इस रूप में हस्ताक्षरित सदस्यता प्रमाणपत्र मान्य होगा और इस बात के होते हुए बाध्यकारी होगा कि इन्हें जारी होने के पहले, किसी व्यक्ति जिसका हस्ताक्षर उस पर है, ट्रस्ट की ओर से सदस्यता प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने का अधिकृत व्यक्ति नहीं रहा हो किन्तु इस रूप में तैयार किया गया सदस्यता प्रमाणपत्र में यदि किसी अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है तो प्रमाणपत्र जारी होने के पहले किसी व्यक्ति जिसका हस्ताक्षर उस पर है, ट्रस्ट की ओर से सदस्यता प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने का अधिकृत व्यक्ति नहीं रहा हो, किन्तु इस रूप में तैयार किया गया सदस्यता प्रमाणपत्र में यदि किसी अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है जो प्रमाणपत्र जारी होने के समय मृत है; ट्रस्ट किसी तरीके से जिसे वह सर्वोत्तम समझता है, और किसी अन्य अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर है जो प्रमाणपत्र जारी होने के समय मृत है, ट्रस्ट किसी तरीके से जिसे वह सर्वोत्तम समझता है प्रमाणपत्र पर विद्यमान उक्त व्यक्ति के हस्ताक्षर को निरस्त कर सकता है, और किसी अन्य अधिकृत व्यक्ति का हस्ताक्षर उस पर करवा सकता है । इस रूप में जारी सदस्यता प्रमाणपत्र भी मान्य होंगे ।

14. यूनिट प्रमाणपत्र के संबंध में ट्रस्ट द्वारा मान्यता नहीं दिया जाना :

जो व्यक्ति सदस्य के रूप में पंजीकृत है और जिसके नाम सदस्यता प्रमाणपत्र जारी किया गया है, केवल वही व्यक्ति ट्रस्ट द्वारा सदस्य के रूप में मान्य होगा और यह माना जाएगा कि इसका स्वस्वाधिकार या हित उसमें या उक्त सदस्यता प्रमाणपत्र की यूनिटों में है जो उनके नाम में है और ट्रस्ट उक्त सदस्यता सदस्य को उसका एकमात्र स्वामी मानेगा और इसके विपरीत किसी नोटिस से या किसी ट्रस्ट के क्रियान्वयन की नोटिस से बंधा नहीं होगा या सिर्फ उन बातों को छोड़कर जबकि इसमें स्पष्ट रूप से यह दिया गया हो या कार्यक्षेत्र में सक्षम न्यायालय द्वारा यह आवेदन दिया गया हो जो किसी प्रमाणपत्र के शीर्षक को या यूनिटों की सदस्य संख्या को प्रभावित करता हो, मान्यता दी जाए ।

15. जब प्रमाणपत्र कटे-फटे, विरूपित, लापता आदि है, यूनिट प्रमाणपत्रों का विनिमय और प्रक्रिया :

(1) यदि कोई सदस्यता प्रमाणपत्र कटे-फटे जाता है या चिसे-पिट या विरूपित हो जाता है तो ऐसे मामलों में ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वस्वाधिकारी व्यक्ति को एक नया सदस्यता प्रमाणपत्र जारी कर सकता है । इसकी समग्र संख्या उसनी ही होगी जितनी कि कटे-फटे, विरूपित सदस्यता प्रमाणपत्रों की थी । यदि कोई सदस्यता प्रमाणपत्र खो जाता है, चुराया जाता है या नष्ट हो जाता है तो ट्रस्ट अपने विवेक के अनुसार स्वस्वाधिकारी व्यक्ति को उनके बदले में नया सदस्यता प्रमाणपत्र जारी करेगा । कोई नया प्रमाणपत्र जब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदक के पास पहले से निम्नलिखित नहीं हों ।

- (1) मूल प्रमाणपत्रों के कटे-फटे होने, टूटने, विरूपित होने, खो जाने, चुरा लिए जायें या नष्ट होने के संतोषजनक साक्ष्य ट्रस्ट को प्रस्तुत नहीं किये जाते;
- (2) तथ्यों की जांच के सम्बंध में सभी खर्चों का भुगतान नहीं किया जाता, कटे-फटे या चिसे-पिट या विरूपित सदस्यता प्रमाणपत्रों को ट्रस्ट को प्रस्तुत किया जाता है ।
- (3) ट्रस्ट को क्षतिपूर्ति संबंध प्रस्तुत किया जाता है जैसा ट्रस्ट चाहता है । इस खण्ड के प्रावधान के अन्तर्गत ट्रस्ट सद्भावना के आधार पर उक्त प्रमाणपत्र को जारी करने का उत्तरदायित्व नहीं लेगा ।

(2) इस खण्ड के प्रावधान के अन्तर्गत कोई प्रमाणपत्र जारी करने के पहले ट्रस्ट चाहेगा कि आवेदक इसके द्वारा निर्गत प्रत्येक सदस्यता प्रमाणपत्र पर 1/- रु. का भुगतान करे । साथ ही ट्रस्ट की राय में स्टाम्प ड्यूटी यदि कोई है, के लिए पर्याप्त धन राशि या अन्य खर्च या डाक पंजीकरण खर्च सहित कर जोड़कर प्रमाणपत्र को जारी करने और प्रेषित के सम्बन्ध में देवे हो, उसे भी जमा करेगा ।

16. सदस्यों का रजिस्टर :

यूनिटधारकों के पंजीकरण के सम्बन्ध में निम्नलिखित प्रावधान होंगे :

(1) ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय में सदस्यों का एक रजिस्टर रखा जाएगा और इस रजिस्टर में निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाएंगी ।

- (क) सदस्यों के नाम और पते;
- (ख) प्रमाणपत्र की विभेदक संख्या और प्रत्येक उक्त व्यक्ति द्वारा धारित यूनिटों की संख्या और
- (ग) उक्त व्यक्ति को यूनिटों के जो उनके नाम में हैं धारक बनने की तिथि ।
- (घ) यूनिटों की अवस्था अवधि की समाप्ति अर्थात् जिस तिथि से उन्होंने पुनर्खरीद के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है ।

(2) किसी सदस्य द्वारा अपने नाम या पते में लाए गए परिवर्तन को ट्रस्ट की जानकारी में लायी जाएगी जो उक्त परिवर्तन से संतुष्ट होकर और अपेक्षित औपचारिकताओं का पालन कर सदनसार रजिस्टर में परिवर्तन करेगा ।

(3) सिर्फ उस अवधि को छोड़कर जबकि रजिस्टर बन्द रखती है तब उसमें निहित प्रावधानों के अनुसार व्यवसाय के घंटे के दौरान रजिस्टर (ट्रस्ट द्वारा लगाए गए यथोचित नियंत्रण के अधीन) किन्तु प्रत्येक व्यवसाय के दिन कम से कम दो घंटे निरीक्षण के लिए बिना किसी शुल्क के सदस्य के निरीक्षण के लिए खुली रहेगी ।

(4) रजिस्टर उक्त अवधि के लिए बंद रहेगी जैसी ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट किया जाएगा । किन्तु किसी भी वर्ष में यह 60 दिनों से अधिक दिनों के लिए बंद नहीं रखी जाएगी । बंद होने के सूचना उक्त समाचार पत्र में विज्ञापन द्वारा प्रकाशित करेगा जिम रूप में बोर्ड निर्देश देगा ।

(5) किसी यूनिट के संबंध में किसी ट्रस्ट की स्पष्ट सूचना, समाविष्ट या रचनात्मक रजिस्टर में प्रवेश किया जाएगा ।

17. सदस्य द्वारा ट्रस्ट को भुगतान करने की रसीद :

किसी भी सदस्य द्वारा सर्टिफिकेट में अंकित यूनिटों के संबंध में उनके द्वारा पाई गई राशि के लिए दी गई रसीद ट्रस्ट के लिए सही अवयवी मानी जाएगी ।

18. मृत्यु दावे :

(1) सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में, पति/पत्नी जिसका नाम ट्रस्ट के पास पंजीकृत है वो अपना/अपनी हिस्से के साथ प्लान में जारी रहने या प्लान आहरण करने की अनुमति दी जाएगी ।

(2) जिस सदस्य ने अपने पति/पत्नी के बीरे नहीं दिए हैं, को मृत्यु होने की स्थिति में और दोनों सदस्यों और पति/पत्नी सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में नामिती को ही बिना किसी प्रमाण के ट्रस्ट सदस्यता प्रमाणपत्र/पत्रों में दिए गए यूनिटों पर हित अधिकार मानेगा ।

(3) जिस सदस्य ने पति/पत्नी का बीरा नहीं दिया है उनके द्वारा वैध नामांकन के अभाव में, मृतक सदस्य का प्रशासनिक या कार्यपालक या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 (1925 का 39) के भाग 10 के अंतर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र का कोई धारक ही केवल ऐसा व्यक्ति होगा जो ट्रस्ट द्वारा माना जाएगा कि उसका यूनिटों पर अधिकार हो ।

(4) किसी यूनिट धारक की मृत्यु/बिवाहिलया होने के कारण किसी व्यक्ति की यूनिटों का स्वत्वाधिकारी होने पर तथा उसे अधिकारी होने के साक्ष्यों को प्रस्तुत करने पर जिसे ट्रस्ट पर्याप्त संश्लेषण, सदस्य के रूप में ट्रस्ट के पंजी में पंजीकृत करने पर प्रचार करेगा ।

(5) योजना में शामिल होने के बाद 1 वर्ष की अवरोध अवधि के दौरान किसी भी समय सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में ट्रस्ट दावेदार को प्रशासन और अन्य लागत के लिए 5% घटाकर, अंशदान का भुगतान करेगा ।

(6) 55 वर्ष की आयु के बाद सदस्य और पति/पत्नी की मृत्यु होने के स्थिति में और लाभ अवधि के आरम्भ होने के पहले, दावेदार, नामिती/वैध उत्तराधिकार को अंशदान राशि के साथ प्रत्येक वर्ष के लिए लागू मूल्य वृद्धि का भुगतान किया जाएगा ।

(7) लाभ अवधि (अर्थात् 58 वर्षों की उम्र के बाद) की शुरूआत के बाद पति/पत्नी और सदस्य दोनों की मृत्यु होने की स्थिति में, वैध उत्तराधिकारी/नामिती को समाप्ति लाभ (टर्मिनल बोनफिट) के बराबर की राशि को भुगतान किया जाएगा जैसा योजना के खंड 22 (2) में संदर्भित है और उक्त पालिसी के संबंध में कोई अन्य प्रीमियम का भुगतान नहीं किया जाएगा ।

(8) प्रीमियम शुरू होने के बाद मृत्यु होने पर कोई प्रीमियम की वापसी नहीं की जाएगी ।

(9) सदस्य की मृत्यु की स्थिति में यदि पति/पत्नी में कोई परिवर्तन हुआ हो और इसे ट्रस्ट को सूचित नहीं किया गया हो, तो वैध उत्तराधिकारी/नामिती प्लान के अंतर्गत निवेश का आहरण कर सकते हैं । नया पति/पत्नी प्लान के अंतर्गत चिकित्सा सुरक्षा पाने के हकदार नहीं होंगे ।

10. लाभ अवधि आरम्भ होने से पहले सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में और सदस्य को पति/पत्नी न होने की स्थिति में, दावेदार को अंशदान राशि के साथ ट्रस्ट द्वारा भुगतान किए गए बीमा प्रीमियम की राशि का समायोजन कर मृत्यु तक प्रत्येक वर्ष हुई पंजी वृद्धि की राशि दी जाएगी ।

मृत्यु दावे के निपटान के लिए (जैसा सं. 1 से 10 तक निर्दिष्ट किया गया है) ट्रस्ट समय-समय पर आवश्यकतानुसार फार्म निर्धारित करेगा और जो आवश्यक समझा जाएगा वैसे नियम बनाएगा ।

19. सदस्यों द्वारा नामांकन :

विनियम में निर्धारित सीमा तक यूनिट धारक नामांकन कर सकता है या रद्द कर सकता है ।

20. यूनिटों का अंतरण :

योजना के अंतर्गत जारी किए गए यूनिटों का अंतरण उसे गिरवी नहीं रखी जा सकती।

21. निवेश की सीमा :

ट्रस्ट द्वारा योजना की निधि से कोई एक कम्पनी की प्रतिभूति में निवेश की राशि उक्त कम्पनी की बकाया राशि और जारी प्रतिभूतियों की राशि का 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए।

बदले कि पूंजी में उक्त निवेशों की समग्र राशि नए औद्योगिक उपक्रमों द्वारा आरम्भ में जारी किसी भी समय उक्त निधि की कुल राशि से 5% से अधिक नहीं होनी चाहिए।

निर्धारित की गयी सीमा ट्रस्ट के निवेशों में बांडों और डिबेंचरों और किसी कम्पनी की जमा राशियों सुरक्षित या असुरक्षित में लागू नहीं होगी।

प्रवेश की आयु	आयु जहाँ से वार्षिकी आरम्भ होगी	आरम्भिक निवेश (रु०)	मूलधन बकाया (रु०)	वार्षिकी की राशि (रु० प्र० व०)
21	58	2,500	1,73,000	24,000
40	58	9,800	38,000	5,400
55	58	38,000	14,000	2,000

पूर्वानुमान :

- (1) पहले तैयार की गयी सारणी के अनुसार, प्रीमियम 55 वर्ष की आयु आरम्भ होने पर दिये होगी। (अर्थात् 55वीं जन्म दिवस पर)
- (2) लाभ 58 वर्ष की आयु आरम्भ होने पर दिया जाएगा।
- (3) शेष अवधि के लिए अवशिष्ट राशि 14% की दर से बढ़ेगी।
- (4) वृद्धि की संपूर्ण राशि (14%) वार्षिकी की रूप में भुगतान किया जाएगा। 55 वर्ष की आयु के बाद योजना में शामिल होने वालों के लिए (अर्थात् विशेष पेशकश अवधि के दौरान) वार्षिकी नहीं दी जाएगी।
- (5) सदस्य की इच्छानुसार बकाया मूलधन वापस कर दी जाएगी।

(2) किन्तु यदि सदस्य अपने खाते में जमा कुल मूल्य वृद्धि राशि को आहरण करना चाहता है, तो वह समाप्ति लाभ का आहरण कर सकता है लेकिन 61 वर्ष की आयु की समाप्ति की तिथि के बाद की वार्षिकी को छोड़ना होगा।

प्रीमियम के भुगतान के बाद ऐसे सदस्य के नाम जमा शेष यूनिटों का आहरण सदस्य द्वारा किया जा सकता है, उन शर्तों के अनुसार जो खंड 8 में दिए गए हैं।

23. चिकित्सा बीमा के लिए न्यू इण्डिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड (एनआईएसी) के साथ ताल-मेल

ट्रस्ट न्यू इण्डिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड (एनआईएसी) के साथ आवश्यक व्यवस्था करेगा ताकि सदस्य योजना के अंतर्गत चिकित्सा सुरक्षा को प्राप्त करने के लिए अस्पताली लाभ निर्धारित सीमा तक पा सकें।

22. वार्षिकी :

(1) 55 वर्ष की आयु से पहले योजना में शामिल होने वालों के लिए 58 वर्ष की आयु पूरा होने के बाद से एक वार्षिक लाभ गैर-अस्पताली व्ययों की भी पूर्ति के लिए प्राप्त होगा।

योजना के अंतर्गत निधि की वृद्धि पर वार्षिकी की राशि निर्भर करेगी और कम आयु में योजना में शामिल होने पर यह अधिक होगी। मूल्य वृद्धि का परिकलन वार्षिक आधार पर किया जाएगा।

निम्नलिखित उदाहरण 3 विभिन्न निवेशकों की 21, 40 और 55 वर्ष की आयु में योजना में शामिल होने पर उन्हें प्राप्त होने वाली वार्षिकी या योजना समाप्ति-लाभ दर्शाता है।

ताल-मेल व्यवस्था की ब्यौरे निम्नलिखित हैं जो एनआईएसी के साथ किये गये हैं :

- (1) ट्रस्ट और न्यू इण्डिया एश्योरेंस कम्पनी लि. का, विशेष चिकित्सा नीति के अंतर्गत भारत में चुने हुए अस्पतालों के साथ विशिष्ट ताल-मेल होगा जिसके अंतर्गत योजना के सभी सदस्य चुने गए अस्पतालों में चिकित्सा इलाज पाने के पात्र होंगे और निर्धारित सीमा तक भुगतान एनआईएसी द्वारा सीधे निपटाए जाएंगे।

- (2) ट्रस्ट प्रत्येक सदस्य को परिचय पत्र देगा जिसमें उप-लब्ध लाभ, चिकित्सा बीमा सुरक्षा की सीमा, हाल ही के फोटो, नाम, जन्म की तिथि और सदस्य और पति/पत्नी के हस्ताक्षर के ब्यौरे होंगे। सदस्य को एक लाग-बुक भी दी जाएगी। जिसके प्रत्येक इलाज के लिए खर्च किए गए चिकित्सा व्यय के साथ संबंधित अस्पताल/नर्सिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/अन्य समान संस्था द्वारा लाग-बुक में अध्दरन प्रविष्टियां रहेंगी।

जिस अस्पताल के साथ भारतीय यूनिट ट्रस्ट की विशेष व्यवस्था रहेगी, सदस्य को वहाँ चिकित्सा बीमा सुरक्षा की अधिकतम राशि के अधीन तथा अस्पताली चिकित्सा इलाज के लिए खर्च की

- (1) "सदस्य और पति/पत्नी के एक संयुक्त परिचय पत्र प्रदान किया जाएगा जिसमें एक लाग-बुक भी रहेगा जिसमें हर बार कराए गए इलाज का अद्यतन दिवकरण होगा। कार्ड में सभी आवश्यक ब्यौरे होंगे जैसे :—नाम, पता, उम्र, फोटो, सदस्य और उनके/उनकी पति/पत्नी दोनों के हस्ताक्षरों के नमूने, योजना अवधि, चिकित्सा सुरक्षा की सीमा आदि" के लिए दिनांक 13-5-1993 के प्रतिस्थापित।

गयी राशि जो कांड में दर्शाए गए हैं, को घटाकर जैसा एनआईसी की नीतिगत मर्गों में उल्लिखित है, रुपए भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी। सदस्य को उपलब्ध शेष राशि के अधीन भुगतान, न्यू इण्डिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड द्वारा सीधे अस्पताल को अस्पताल द्वारा दावे की तिथि से 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। अस्पताल संबंधित बिल अदायगी के लिए परिचय पत्र के ब्यौरे और इलाज संबंधी व्यय का विवरण देते हुए एनआईसी को भेजेगा। भारतीय यूनिट ट्रस्ट इसके लिए गारण्टीकर्ता के रूप में रहेगा। उपलब्ध सीमा से अधिक व्यय (जैसा कि कांड में अंकित किया गया है) भुगतान, अस्पताल को सदस्य द्वारा सीधे किया जाएगा। साथ ही ऐसे इलाज में जिसमें 24 घंटे से कम समय के लिए अस्पतालीकरण की आवश्यकता हो, के लिए भुगतान सदस्य द्वारा अस्पताल को सीधे किया जाएगा।

डायलिसिस, केमोथेरापी रेडिओथेरापी जैसे इलाज^[1] [लेजर बीमा इलाज और लिथोट्रिप्सी पद्धति द्वारा गुरदा पथरी निकालना] अस्पताल/नर्सिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/किसी अन्य समान संस्था में किया जाता है और बीमाकृत व्यक्ति को 24 घंटे के भीतर जाने की अनुमति दी जाती है, चिकित्सा बीमा सुरक्षा पाले का पात्र होगा।

सदस्य द्वारा किए गए निम्नलिखित खर्चों के लिए एनआईसी भुगतान नहीं करेगा।

- (क) क्षति या रोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उत्पन्न या उद्भूत या युद्ध के दौरान हमला, विशेषी दुर्घटनाओं के कार्य, युद्ध के समान आपरेशन (बाह्य युद्ध घोषित किया हो या नहीं)।
- (ख) नेमी खर्च से आँख की जाँच और चश्मे और कान्टाक्ट लेंस पर हुए खर्च।
- (ग) दाँतों के इलाज या किसी भी प्रकार की शल्य चिकित्सा जिसमें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं थी।
- (घ) स्वास्थ्य लाभ, साधारण कमजोरी, "दुर्बल स्थितियाँ" तथा आराम चिकित्सा, सहज बाह्यीय कमी या अंनोमालाशम, बन्ध्यता रोग, रक्तज, नशीली दवाओं का प्रयोग।
- (ङ) अस्पताल या नर्सिंग होम में रोग के निदान के लिए प्रारम्भ में लिए जाने वाले एक्स-रे या प्रयोगशाला में परीक्षण या अन्य जाँच पड़ताल सम्बन्धी अध्ययन जो आवश्यक नहीं था या जाँच पड़ताल के लिए अनुसंगिक या पात्रित्व रहने का इलाज या किसी बीमारी का होना या क्षति जिसके लिए अस्पताल, नर्सिंग होम में रहना अपेक्षित है।
- (च) विटामिन और टानिक पर हुए खर्च जब तक कि इलाज करने वाले चिकित्सक द्वारा प्रमाणित न हो

कि क्षति या बीमारी के इलाज के लिए यह आवश्यक है।

(छ) आणविक हथियारों द्वारा हुई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष क्षति या रोग।

(ज) नैसर्गिक पद्धति से उपचार।

(झ) (1) [एक्वायड इम्यून डिफिसिएन्सी सिन्ड्रोम (एड्स) और उससे सम्बन्धित कोई रक्त।]

(ञ) (2) [अस्पताल में भर्ती होने के पूर्व और बाद में हुए खर्च।]

एनआईसी को यह अधिकार है कि वे किसी भी चिकित्सक को अधिकृत कर सकता है कि वे सदस्य की जाँच कर विवेकपूर्ण रूप से जब कि उक्त रोग या क्षति के इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती होना अपेक्षित है।

(3) [किसी दावे के बारे में भुगतान जो धोखेधड़ी से किया जाता है या कोई धोखा पूर्ण उपाय से किसी सदस्य द्वारा या किसी व्यक्ति द्वारा किसी अन्य व्यक्ति के बबले अपने को बताने पर, एनआईसी द्वारा, अस्पताल/नर्सिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/कोई अन्य समान संस्था को भुगतान किया जाता है किन्तु एनआईसी को यह राशि ट्रस्ट से वापस लेने का अधिकार रहेगा। वैसे सदस्यों की सदस्यता तत्काल प्रभाव से समाप्त समझी जाएगी और उसे प्लान को कोई लाभ नहीं मिलेगा।] सभी दावे का भुगतान भारतीय मुद्रा में किया जाएगा।

(3) ऊपर लिखित 23 निर्दिष्ट शहरों में सुविधा शुरू किए गए अस्पतालों में ही उपलब्ध होगी जिसके साथ भारतीय यूनिट ट्रस्ट की विशेष व्यवस्था होगी। (4) [ट्रस्ट प्लान के अंतर्गत सुरक्षा को जुलाई 1994 तक विस्तृत करने के लिए प्रयत्न करेगी ताकि सभी शहर/नगर जिसकी जनसंख्या 5 लाख से अधिक हो को भी शामिल किया जा सके।]

(1) "एड्स या एचआईवी के कारण हुई कोई बीमारी" के लिए दि. 13-5-93 को प्रतिस्थापित।

(2) दि. 13-5-1993 को जोड़ा गया।

(3) "एनआईसी किसी ऐसे भुगतान के लिए उत्तरदायी नहीं होगा जो किसी दावे से सम्बन्धित हो जो किसी प्रकार धोखाधड़ी से संबंधित हो, और धोखा पूर्ण तरीके से समर्पित हो, किसी सदस्य द्वारा या सदस्य द्वारा समर्पित किसी व्यक्ति द्वारा" दि. 13-5-1993 को प्रतिस्थापित।

(4) ट्रस्ट कुछ समय के बाद इस योजना को अन्य शहरों में और अस्पतालों में लागू करने का प्रयास करेगा। "दि. 13-5-1993 को प्रतिस्थापित।"

[1] 13-5-93 को जोड़ा गया।

(4) आवश्यक आयु पूरा करने पर सदस्य और पति/पत्नी दोनों को चाहे पति/पत्नी की उम्र कुछ भी हो, चिकित्सा बीमा लाभ उपलब्ध होगा।

(5) प्रत्येक बीमारी के लिए अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक की चिकित्सा बीमा सुरक्षा मिलेगी।

(1) एनआईएसी के साथ समझौता ज्ञापन और एनआईएसी के साथ त्रिपक्षीय करार और अस्पताल/नर्सिंग होम/चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र/अन्य समान संस्था का अन्तिम चयन अध्यक्ष या कार्यपालक न्यासी द्वारा निश्चित की गई शर्तों और नियमों के अनुसार किया जाएगा।

24. प्रीमियम की भुगतान की विधि :

55 वर्ष की आयु के पहले योजना में शामिल होने वाले सदस्यों के लिए 55 वर्ष की आयु की समाप्ति के तुरन्त बाद प्रीमियम आरम्भ होगा (अर्थात् 55वीं जन्म दिन पर) योजना में 55 वर्ष की आयु के बाद शामिल होने वाले सदस्यों के लिए प्रीमियम भुगतान पहले वर्ष से ही आरम्भ होगा।

जोखिम आरम्भ होने से पहले 60% प्रीमियम का भुगतान किया जाएगा। आवश्यक यूनिटों की पुनर्खरीद द्वारा या अंशदान राशि की मूल्य वृद्धि से या दोनों से सदस्य ट्रस्ट को न्यू इंडिया एश्योरन्स कं. को भुगतान करने के लिए प्राधिकृत करेगा।

25. प्रीमियम के भुगतान की विस्तृत अनुसूची :

प्रीमियम राशि का भुगतान एनआईएसी को 7 किस्तों में किया जाएगा।

55 वर्ष की आयु के बाद योजना में शामिल होने वाले सदस्यों के लिए अर्थात् 56, 57, 58, 59 और 60 वर्ष की आयु में प्रवेश करने पर दूसरे वर्ष की समाप्ति पर आरम्भ होने वाले जोखिम के पहले प्रीमियम के 3 किस्त बचे होंगे और इसके बाद प्रीमियम के शेष 4 किस्त।

55 वर्ष की आयु तक योजना में पहले शामिल होने वाले सदस्यों के लिए जोखिम आरम्भ होने से पहले प्रीमियम के चार किस्त बचे होंगे। अर्थात् 55, 56, 57 और 58 वर्ष की आयु होने पर और शेष तीन जोखिम आरम्भ होने के बाद 59, 60 और 61 वर्ष की आयु होने पर।

26. डी आर एफ अंशदान और अन्ना सुविधाएं :

योजना के अन्तर्गत संग्रहित निधि के 0.25% राशि डी आर एफ के अंशदान के रूप में अलग रखी जाएगी।

(1) समझौता ज्ञापन को उक्त व्यवस्था को कार्यरूप देने के लिए (एनआईएसी और अस्पताल/नर्सिंग होम के साथ) उक्त शर्तों को निर्धारित बिन्दुओं के अनुसार अन्तिम रूप दिया जाएगा जो अध्यक्ष या कार्यपालक न्यासी द्वारा निश्चित किया जाएगा। वि. 13-5-1993 को प्रतिस्थापित।

अन्य प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष सुविधाएं योजना के अन्तर्गत वीरिण्ड नागरिकों के लिए प्रदान की जाएगी और अनुदान तथा व्यय डी आर एफ से किए जाएंगे।

27. पुनरीक्षण खण्ड :

तीन वर्षों की समाप्ति पर प्रीमियम दर और सुरक्षा राशि का पुनरीक्षण किया जाएगा और इसके बाद दूसरे वर्षों की समाप्ति पर।

28. खातों का प्रकाशन :

ट्रस्ट यथाशीघ्र जो प्रत्येक वर्ष 30 जून के बाद की अवधि हो सकती है, बोर्ड द्वारा निश्चित की गयी विधि से लेखों को प्रकाशित करेगा जिसमें उस तिथि को समाप्त अवधि के दौरान योजना का कार्य प्रवर्धित किया जाएगा। ट्रस्ट किसी यूनिट धारक से लिखित रूप से प्राप्त अनुरोध पर प्रकाशित लेखों की एक प्रति उसे भेजेगा।

29. योजना में परिवर्धन और संशोधन :

समय-समय पर बोर्ड योजना में कोई परिवर्तन/संशोधन कर सकता है जो सरकारी राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

30. योजना की समाप्ति :

ट्रस्ट अपनी इच्छानुसार योजना पूर्ण रूप से समाप्त कर सकता है। योजना की समाप्ति की स्थिति में समाप्ति की निर्दिष्ट तिथि के बाद किसी भी नये प्रवेशी को योजना में शामिल होने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस सदस्य का नाम पंजी में निर्दिष्ट होने वाली तिथि में प्रविष्ट किया गया है, उनकी बकाया यूनिटों को ट्रस्ट द्वारा निश्चित की गयी दर पर पुनर्खरीद की जाएगी। प्रमाण-पत्र तथा इसके/उनके पृष्ठ भाग में दिए गए फार्म को पूरा भरकर प्राप्त होने के बाद सदस्य को यथाशीघ्र राशि का भुगतान किया जाएगा। पुनर्खरीद के लिए प्राप्त सदस्यता प्रमाण-पत्र को ट्रस्ट द्वारा नष्ट करने के लिए रखा जाएगा। जब ट्रस्ट योजना की समाप्ति का निश्चय करता है, यह निर्णय सदस्य पर बाध्यकारी होगा और योजना को जारी रखने के लिए ट्रस्ट से अनुरोध करने का अधिकार उन्हें नहीं होगा।

31. सदस्यों के लिए योजना का बाध्यकारी होना :

समय-समय पर किए जाने वाले संशोधन सहित इस योजना की शर्तों प्रत्येक सदस्य और प्रत्येक अन्य व्यक्ति जो उनके माध्यम से दावा करते हैं, स्पष्ट रूप से स्वीकार किए हैं कि वे इस रूप में उन पर बाध्यकारी होगी।

32. बिक्री का स्थगन या समाप्ति :

योजना के अन्तर्गत यूनिट बिक्री के लिए ट्रस्ट किसी भी समय अपनी इच्छानुसार प्रमुख दैनिक समाचार पत्रों में 7 दिनों की नोटिस देकर बिक्री स्थगित या समाप्त कर सकता है।

33. उपलब्ध करायी जाने वाली योजना की प्रति :

सभी संशोधनों सहित योजना की एक प्रति ट्रस्ट के कार्यालयों में कार्यालय समय के दौरान 5/- रु. का भुगतान करने पर निरीक्षण के लिए उपलब्ध करायी जाएगी।

34. सदस्यों को लाभ :

योजना के अन्तर्गत आरक्षित पूंजी और अधिशेष से प्राप्त सभी लाभ, को यदि योजना की समाप्ति के समय उपलब्ध हो, को समाप्ति के समय यूनिट धारण करने वाले सदस्यों को बीच और जिनके नाम पंजी में प्रविष्ट है, वितरित की जाएगी।

35. प्रावधानों के अर्थ लगाने का अधिकार :

यदि किसी भी प्रावधान के स्पष्टीकरण में कोई संदेह उत्पन्न होता है, तो अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी को योजना के प्रावधानों का अर्थ लगाने का अधिकार होगा जो योजना की आधारभूत संरचना के विपरीत या किसी रूप में प्रति-कूल प्रभाव डालने वाला नहीं होगा और यह निर्णय अंतिम होगा।

36. प्रावधानों का सिधिलीकरण/परिवर्तन/संशोधन :

ट्रस्ट के अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी कठिनाइयों को कम करने के उद्देश्य से या योजना के सहज परिचालन के लिए योजना के किसी प्रावधान को सिधिल/परिवर्तित या संशोधित कर सकते हैं जिन मामलों में किसी यूनिटधारक या यूनिटधारकों के वर्ग के लिए आवश्यक समझा जाएगा।

फार्म ए

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना-1993

सदस्यता प्रमाण-पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस प्रमाण-पत्र में नामित व्यक्ति, वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना के सदस्य हैं और वे इसमें उल्लिखित यूनिटों के, जिसके प्रत्येक यूनिट का अंकित मूल्य दस रुपये है, भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (63 का 52) के प्रावधानों के अधीन तथा इसके अन्तर्गत बनाये गये विनियमों और वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना-1993 (एस सीधूपी-93) के अन्तर्गत बनायी गयी वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना के पंजीकृत धारक हैं।

अहस्तांतरणीय

सदस्यता प्रमाण-पत्र सं.

यूनिटों की संख्या (प्रति यूनिट 10/- रु. के अंकित मूल्य की दर से)

यूनिट धारक का नाम :

कृते भारतीय यूनिट ट्रस्ट

बम्बई

दिनांक :

कार्यपालक न्यासी

अध्यक्ष

* योजना के अन्तर्गत चिकित्सा बीमा लाभ

55 वर्ष की आयु के पहले शामिल होने वालों के लिए :

55 वर्ष की आयु के पहले योजना में शामिल होने वाले सदस्य 58 वर्ष की आयु से 2.5 लाख रुपये चिकित्सा लाभ सुरक्षा पाने के पात्र होंगे। यह लाभ सदस्य के लिए या दोनों सदस्य और पति/पत्नी के लिए उपलब्ध है। 61 वर्ष की आयु के बाद के पूर्व में किए गए किसी दावे का समायोजन करने के बाद 5 लाख रुपये की सुरक्षा के पात्र होंगे।

55 वर्ष आयु के बाद योजना में शामिल होने वाले के लिए :

55 वर्ष की आयु के बाद अपने पति/पत्नी के साथ योजना में शामिल होने वाले सदस्य योजना में शामिल होने के दो साल बाद 2.5 लाख रुपये का चिकित्सा लाभ सुरक्षा पाने के पात्र हैं और यह सीमा (पूर्व में किए गए किसी दावे का समायोजन करने के बाद) 6 वर्षों के बाद बढ़कर 5 लाख रुपये तक हो जाएगी।

* वार्षिकी :

55 वर्ष की उम्र के पहले योजना में शामिल होने वाले सदस्यों को 58 वर्षों की उम्र होने पर ट्रस्ट द्वारा घोषित दरों पर वार्षिक लाभ दिया जाएगा। 55 वर्ष की उम्र के बाद योजना में शामिल होने वालों के लिए कोई वार्षिक लाभ नहीं है।

* प्रत्येक पति/पत्नी की प्रत्येक बीमारी पर 1.50 लाख रुपये तक दिए जाएंगे।

टिप्पणी :

सदस्यता की वापसी का आवेदन-पत्र संलग्न है।

सदस्यता से वापसी का फार्म

दिनांक :

भारतीय यूनिट ट्रस्ट

मैं, _____ भारतीय यूनिट ट्रस्ट के वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना की _____ यूनिटों की पंजीकृत धारक हूँ और मैं योजना से वापसी के लिए इच्छुक हूँ। तदनुसार मैं इस आवेदन के संदर्भ में स्वीकृति तिथि को विद्यमान दर पर भारतीय यूनिट ट्रस्ट द्वारा पुनर्खरीद का प्रस्ताव करता हूँ।

यूनिटों के मूल्य का भुगतान मुझे * बैंक/बैंक ड्राफ्ट द्वारा मेरे खाते पर किया जाए और पंजीकृत डाक द्वारा मेरे खाते पर नीचे दिए गए पते पर भेज दिया जाए।

सदस्य का हस्ताक्षर

साक्षी का हस्ताक्षर : _____

व्यवसाय :

पता :

कार्यालय के प्रयोग के लिए

स्वीकृति तिथि

* जो लागू नहीं उसे काट दें।

वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान के प्रावधान

भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 की धारा 19 (1) (8) (सी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय यूनिट ट्रस्ट का न्यासी बोर्ड एतद्वारा निम्नलिखित प्लान बनाता है। यह प्लान "वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान" कहा जाएगा और (1) 3 मई 1993 से आरम्भ होगा।

यह प्लान वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना के अन्तर्गत जारी यूनिटों पर लागू होगा और/या अन्य किसी योजना के अन्तर्गत जिसे ट्रस्ट इसके बाद बनाएगा और जिस पर प्लान को लागू करेगा।

उद्देश्य

वर्तमान समय में सेवा निवृत्ति के बाद विशेषकर, व्यक्तियों द्वारा अस्पताल में होने वाले खर्च से सुरक्षा प्रदान करने के लिए देश में कोई चिकित्सा सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए चिकित्सा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और मंरगी चिकित्सा संबंधी अस्पताल व्यय से सुरक्षा के लिए, ट्रस्ट ने वरिष्ठ नागरिक यूनिट प्लान, वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना के अनुसार आरम्भ किया है। इस प्लान का मूल उद्देश्य है, व्यक्तियों को अपनी बचत जताने के लिए सहायता करना ताकि वरिष्ठ नागरिक बनने पर अपने लिए और पति/पत्नी के लिए ये मनिशिवत चिकित्सा और अस्पताली लाभ का आनन्द प्राप्त कर सकें।

(1) सहभागिता के लिए पात्रता

यूनिटों के लिए आवेदन एकल रूप में 21-55 की आयु वर्ग के निवासी व्यक्तियों द्वारा ही किया जा सकता है। (अर्थात् संयुक्त आवेदनों की अनुमति नहीं होगी) भले ही लाभ दोनों सदस्य और पति/पत्नी के लिए उपलब्ध है। आरम्भिक विशेष पेशकश अवधि के दौरान 60 वर्ष की आयु तक के व्यक्तियों के लिए अनुमति दी जाएगी।

(2) इस अवधि के दौरान, यदि, सदस्य ने योजना में शामिल होने के समय 55 वर्ष की आयु पूरी की हो, तो पति/पत्नी की आयु 60 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

योजना के अन्तर्गत परिभाषित आवेदक इसके बाद 'सदस्य' कहलाएगा।

(2) यूनिटों की बिक्री के लिए पेशकश

प्रारंभिक स्थिति में, प्लान के अन्तर्गत यूनिटों (3) [3 मई से 25 जन 1993] तक बिक्री के लिए बली रहने और अतिरिक्त पेशकश की बिक्री प्रत्येक वर्ष 1 जनवरी से 31 मार्च तक होगी या किसी भी 3 महीनों की अवधि के लिए होगी जैसा ट्रस्ट द्वारा समय-समय पर निश्चय किया जाएगा। प्रत्येक यूनिट का अधिकतम मूल्य 10 रुपये होगा प्लान के अन्तर्गत निवेश

(4) [10] यूनिटों की गणनों में होगा निर्धारित न्यूनतम

(1) 19 अप्रैल 1993 के लिए प्रतिस्थापित।

यूनिटों की संख्या के अधीन ही होगा, जो प्लान में शामिल होने के समय सदस्य की आयु के अनुसार अलग-अलग होगा या ऐसे अन्य न्यूनतम यूनिटों की संख्या जैसा निर्धारित किया गया है। निवेशक जिसकी आयु 21 वर्ष की होगी को न्यूनतम 2500/- रुपये निवेश करना होगा, 55 वर्ष के निवेशक को न्यूनतम 38,000/- रुपये निवेश करना होगा और 60 वर्ष की आयु के व्यक्ति को आरंभिक पेशकश अवधि के दौरान शामिल होता है, उन्हें 34,200/- रुपये का निवेश करना होगा, 5 लाख रुपये की चिकित्सा बीमा सुरक्षा पाने के लिए।

सदस्य द्वारा न्यूनतम निवेश जैसा कि सारणी में उल्लिखित है (योजना के अन्तर्गत दिया गया है) प्रवेश की स्थिति में सदस्य की आयु के अनुसार इस प्रकार होगा कि सदस्य और पति/पत्नी अधिकतम 5 लाख रुपये तक चिकित्सा सुरक्षा पाने के पात्र होंगे।

(3) भुगतान

आवेदक द्वारा आवेदित यूनिटों के लिए भुगतान आवेदन-पत्र के साथ नकद चेक डाफ्ट द्वारा किया जाएगा। चेक और डाफ्ट उन शहरों के बैंक की शाखाओं पर आहरित होंगे जहाँ पर ट्रस्ट कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है और केवल 'रेखांकित खाता आवाता' ही होगा। यदि भुगतान चेक द्वारा किया जाता है, ऐसे चेक की राशि की प्राप्ति होने के अधीन स्वीकृति तिथि, ट्रस्ट के किसी भी कार्यालय द्वारा या विनिर्दिष्ट बैंक की शाखा में, चेक प्राप्त की गयी तिथि होगी। यदि भुगतान डाफ्ट द्वारा किया जाता है, ऐसे डाफ्ट की राशि की प्राप्ति होने के अधीन स्वीकृति तिथि, डाफ्ट जारी करने की तिथि होगी बशर्ते कि आवेदन-पत्र उचित समय के अन्दर ट्रस्ट के कार्यालय में या निर्दिष्ट बैंक की शाखा में प्राप्त किया गया हो।

(ख) आवेदन-पत्र की स्वीकृति पर एक रसीद या पावती ट्रस्ट द्वारा जारी की जाएगी।

(ग) ट्रस्ट तथा शीघ्र प्रत्येक सदस्य को उसे योजना में प्रवेश के बारे में सदस्यता सं. के साथ सूचित करेगा। ट्रस्ट के साथ सभी पत्रव्यवहार में सदस्य अपनी सदस्यता संख्या एवं उल्लेख करेगा।

(घ) योजना के अन्तर्गत यूनिटों की खरीद के लिए सदस्य को सदस्यता प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।

(4) सदस्यता से आहरण

55 वर्ष की आयु के पहले योजना में शामिल होने वाले सदस्यों को प्रत्येक यूनिटधारण खाता न्यूनतम 1 वर्ष के लिए रखना होगा। आवेदन-पत्र की तिथि से 1 वर्ष की अवरोध अवधि के बाद 3

(2) 13-05-1993 को जोड़ा गया।

(3) "19 अप्रैल से 31 मई 1993" के लिए दि. 13-5-93 को प्रतिस्थापित किया गया।

(4) "100" के लिए 13-05-93 को प्रतिस्थापित किया गया।

वर्ष की समाप्ति तक सदस्य योजना से आहरण कर सकता है और उसे प्रशासनिक और लागत की 5% घटाकर अंशदान वापस कर दिया जाएगा। 3 वर्ष की समाप्ति के बाद, सदस्य किसी भी समय आहरण कर सकता है और अंशदान राशि के योग्य राशि अदा की जाएगी, यदि कोई बीमा प्रीमियम हो, का समायोजन करने के बाद 10% प्रति वर्ष की दर पर परिकल्पित की जाएगी। यह मूल्य वृद्धि की दर प्रत्येक दो वर्ष में पुनरीक्षित की जाएगी। ट्रस्ट को आहरण के लिए आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की तिथि के पूर्व कैलेंडर वर्ष की पिछली तिमाही की समाप्ति तक राशि देय होगी। 55 वर्ष की आयु के बाद विशेष पेशकश अवधि के दौरान योजना में शामिल होने वाले सदस्यों को यह पुनर्खरीद सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। जून माह में कोई पुनर्खरीद/आहरण नहीं किया जाएगा जब सदस्यों को रजिस्टर लेखा प्रयोजनों के लिए बन्द किया जाता है।

(5) मृत्यु दावा

(1) सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में, पति/पत्नी जिसका नाम ट्रस्ट के पास पंजीकृत है को अपने/अपनी हिस्से के साथ प्लान में जारी रहने या प्लान आहरण करने की अनुमति दी जाएगी।

(2) जिस सदस्य ने अपने पति/पत्नी को ब्योरा नहीं दिए है, की मृत्यु होने की स्थिति में और दोनों स्वस्थों और पति/पत्नी सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में नामिनी को ही बिना किसी प्रमाण के ट्रस्ट सदस्यता प्रमाण-पत्र/पत्रों में दिए गए यूनिटों पर हित/अधिकार मानेगा।

(3) जिस सदस्य ने पति/पत्नी का ब्योरा नहीं दिया है उनके दवांग बंध नामांकन के अभाव में, मतक सदस्य का प्रशासक या कार्यपालक या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 (1925 का 39) के भाग X के अन्तर्गत जारी उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र का कोई धारक ही केवल ऐसा व्यक्ति होगा जो ट्रस्ट द्वारा जाना जाएगा कि उसका यूनिटों पर अधिकार है।

(4) किसी यूनिट धारक की मृत्यु/दिवालीया होने के कारण किसी व्यक्ति की यूनिटों का स्वत्वाधिकारी होने पर तथा उसे अधिकारी होने के साक्ष्यों को प्रस्तुत करने पर जिसे ट्रस्ट पर्याप्त समझेगा, सदस्य के रूप में ट्रस्ट के पंजी में पंजीकृत करने पर विचार करेगा।

(5) योजना में शामिल होने के बाद 1 वर्ष की अवरोध अवधि के दौरान किसी भी समय सदस्य की मृत्यु होने की स्थिति में ट्रस्ट दावेदार को प्रशासन और अन्य लागत के लिए 5% घटाकर, अंशदान का भुगतान करेगा।

(6) 55 वर्ष की आयु के बाद सदस्य और पति/पत्नी की मृत्यु होने की स्थिति में और लाभ अवधि के आरम्भ होने के पहले, दावेदार, नामिनी/बंध उत्तराधिकार को अंशदान राशि के साथ प्रत्येक वर्ष के लिए लागू मूल्य वृद्धि का भुगतान किया जाएगा।

(7) लाभ अवधि (अर्थात् 58 वर्षों की उम्र के बाद) की शुरुआत के बाद पति/पत्नी और सदस्य दोनों की मृत्यु होने की स्थिति में, बंध उत्तराधिकारी/नामिनी को समाप्ति लाभ (टर्मिनल बॉनफिट) के बराबर की राशि का भुगतान किया जाएगा जैसा योजना के खण्ड 22 (2) में संदर्भित है और उक्त पालिसी के संबंध में कोई अन्य प्रीमियम का भुगतान नहीं किया जाएगा।

(8) प्रीमियम शुरू होने के बाद मृत्यु होने पर कोई प्रीमियम की वापसी नहीं की जाएगी।

(9) सदस्य की मृत्यु की स्थिति में यदि पति/पत्नी में कोई परिवर्तन हुआ हो और इसे ट्रस्ट को सूचित नहीं किया गया हो, तो बंध उत्तराधिकारी/नामिनी प्लान के अन्तर्गत निवेश का आहरण कर सकते हैं। नया पति/पत्नी प्लान के अंतर्गत चिकित्सा सुरक्षा पाने के हकदार नहीं होंगे।

(6) नामांकन :

विनियमों में दी गयी सीमा तक सदस्य नामांकन कर सकते हैं या रद्द कर सकते हैं।

(7) अंतरण

योजना और इसके बाद बनाए गए प्लान में जारी की गयी यूनिटों का अंतरण नहीं किया जा सकता या गिरवी नहीं रखी जा सकती।

(8) प्लान में परिवर्तन और संशोधन

समय-समय पर बोर्ड योजना में परिवर्तन कर सकता है कि अन्यथा संशोधित कर सकता है तथा ऐसा कोई संशोधन, सरकारी राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा।

(9) प्लान की समाप्ति

ट्रस्ट को इच्छानुसार प्लान को पूरी तरह से समाप्त किया जाएगा। प्लान की समाप्ति की स्थिति में समाप्ति की निर्दिष्ट तिथि के बाद किसी भी नये प्रवर्ष को प्लान में शामिल होने के लिए अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस सदस्य का नाम पंजी में निर्दिष्ट होने वाली तिथि में प्रविष्ट किया गया है उसके बकाया यूनिटों को ट्रस्ट द्वारा निश्चित की गयी दर पर पुनर्खरीद की जाएगी। प्रमाण-पत्र तथा इसके पष्ठ भाग में दिए गए फार्म को पूरा भर कर प्राप्त होने के बाद सदस्य को यथाशीघ्र राशि का भुगतान किया जाएगा। पुनर्खरीद के लिए प्राप्त सदस्यता प्रमाण-पत्र को ट्रस्ट द्वारा नष्ट करने के लिए रखा जाएगा। जब ट्रस्ट प्लान की समाप्ति का निश्चय करता है, वह निर्णय सदस्य पर बाध्यकारी होगा और प्लान को जारी रखने के लिए ट्रस्ट को राजी करने का उन्हें हक नहीं होगा।

(10) आवेदकों के लिए बाध्यकारी योजना

समय-समय पर किए गए संशोधनों दृष्टि इस योजना की शर्तों, प्रत्येक व्यक्ति पर और उनके द्वारा दावा करने वाले अन्य कोई व्यक्ति पर बाध्यकारी होगा। मानों उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि वे उनके लिए बाध्यकारी हैं।

(11) योजना के प्रावधान के अधीन प्लान के प्रावधान

यूनिटों के अंतर्गत हित की प्राप्ति के लिए इस प्लान के अंतर्गत धारित या अर्जित किसी यूनिट के संबंध में प्लान के प्रावधान को वरिष्ठ नागरिक यूनिट योजना के प्रावधानों के अधीन पड़ा जाए।

(12) प्लान की प्रति उपलब्ध कराना

इस प्लान की एक प्रति सभी संशोधनों सहित ट्रस्ट के कार्यालय में व्यवसाय समय के दौरान निरीक्षण के लिए उपलब्ध करायी जाएगी और आवेदन-पत्र देने तथा 5/- रु. की राशि जमा करने पर किसी भी व्यक्ति को इसकी प्रति दी जाएगी।

(13) प्रावधानों का अर्थ लगाने का अधिकार

योजना के किसी प्रावधान के स्पष्टीकरण में यदि कोई संदेह होता है तो अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी को योजना के प्रावधानों का अर्थ लगाने का अधिकार रहेगा। किन्तु यह अर्थ लगाना योजना की आधारभूत संरचना के विरुद्ध न जाती हो या किसी रूप में पूर्वाग्रहपूर्ण न हो तथा यह निर्णय अंतिम और निर्णायक होगा।

(14) प्रावधानों का शिथिलीकरण परिवर्तन/संशोधन

ट्रस्ट के अध्यक्ष या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक न्यासी, कठिनाइयों को कम करने के दृष्टिकोण से या योजना के सहज परिचालन के लिए उन मामलों में जिनमें कोई यूनिटधारक या यूनिटधारकों का वर्ग शामिल हो, वे शर्तें जो उचित समझी जाती हैं, प्लान के किसी प्रावधान को शिथिल परिवर्तन या संशोधित कर सकते हैं।

STATE BANK OF INDIA
(CENTRAL OFFICE)

Bombay, the 2nd August 1993

SBD. No. 10/1993.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (c) of sub-section (1) of Section 25 of State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Central Government and Reserve Bank of India, nominated Shri N. K. Bhat, 'Dwaraka', 1685, 30th Cross, 15th Main, Banashankari II Stage, Bangalore 560070, as director on the Board of Directors of State Bank of Mysore for a period of three years with effect from 2nd August 1993 to 1st August 1996 (both days inclusive) in place of Dr. D. M. Nanjundappa.

Sd.:- ILLEGIBLE
Chairman

SBD. No. 11/1993.—It is hereby notified for general information that in pursuance of clause (d) of sub-section (1) of Section 25 of State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank of India has, in consultation with Reserve Bank of India, nominated Shri Amal Datt Dhru. Chartered Accountant, 'Vatsalya', 3, Brahman Mitra Mandal Society, Mangaldas Road, Ellis Bridge, Ahmedabad-6, as director on the Board of Directors of State Bank of Saurashtra for a period of three years with effect from 2nd August 1993 to 1st August 1996 (both days inclusive) in place of Dr. B. H. Dholakia.

Sd.:- ILLEGIBLE
Chairman

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

Bombay-400005, the 7th July 1993

No. 3WCA(5)20/92-93.—With reference to the Institute's Notification No. 3WCA(4)5/92-93 dated 1st December, 1992 and 3WCA(4)7/92-93 dated 26th February, 1993 it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulation, 1988 that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulation, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Member with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following persons :

Sl. No.	MRN	Member Name & Address	Rest. Date
1.	014971	Mr. Desai Anul Harshadrai, FCA 19, Malaviya Road Vile Parle East, Bombay 400 057.	01-10-92
2.	004345	Mr. B. Venkata Viswesware Rao, ACA D-1/21 Khira Nagar, S.V. Road, Santacruz West, Bombay-400 054.	01-10-92

A. K. MAJUMDAR
Secretary

Calcutta, the 26th July 1993

No. 3ECA/5/1/93-94.—With reference to the Institute's Notification Nos. 3SCA/4/3/92-93 dt. 27-11-92, 3ECA/4/3/92-93 dt. 22-1-93 & 4ECA/15/81-82 dt. 25-2-82, it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulation, 1988 that in exercise of the powers conferred by Regulations 19 of the said Regulation, the Council of Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members the names of the following members w.e.f. the dates mentioned against their names.

Sl. No.	M. No.	Name & Address	Date of Restoration
1.	13116	Mr. Kar Byomkes, ACA Dy. Genl. Manager (Finance) I.D.C. of Orissa Ltd. Bhubaneswar-751009.	08-04-93
2.	14152	Mr. Jain Arun Kumar, FCA 33 Burtolla Street Calcutta-700 007.	01-10-92
3.	51672	Mr. Mohhan J., ACA Financial Controller Alghanim Industries P.O. Box 223 Safat 13003 Kuwait.	01-10-92
4.	52181	Mr. Roy Sukdeb, FCA 7 Nilmoni Dutta Lane Calcutta-700 012.	01-10-92
5.	53726	Ms. Singh Chetana Adyaprasad, ACA F/7 Godfrey Mansion II South Eastern Railway Colony Garden Reach Calcutta-700 043.	05-05-93
6.	54629	Mr. Kedia Gopal Kumar, ACA C/o Pranaw Kumar Kedia Gr. floor 20/2B, Motilal Bysack Lane Calcutta-700 054.	12-04-93

A. K. MAJUMDAR
Secretary

(DECENTRALISED SECTION)

Kanpur-208001, the 15th June 1993

No. 3CCA(4) (2)/93-94.—In pursuance of Regulation 19 of the Chartered Accountants Regulation, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20 (1) (c) of the Chartered Accountants Act 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of non-payment of prescribed fees, the names of

the following members with effect from the date mentioned against their names :—

The 14th July 1993

Sl. No.	M. No.	Member Name & Address	Canc. Date
1.	026618	Mr. A.M. Sundar Usha Rectifier Corporation India Ltd., UPSIDC Industrial Area, Distt: Nainital, Bhimtal-263136	01-10-92
2.	070407	Prem Behari Mathur 15/247 A Civil Lines, Kanpur.	01-10-92
3.	70148	Mr. Rajendra Kumar Jain Rajenddra Hotel Building, Palimarwar (Raj)	01-10-92

A. K. MAJUMDAR
Secretary

The 15th July 1993

No. 3CCA (4) (3)/93-94.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by section 20(1) (a) of the Chartered Accountants Act, 1949, the council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death the names of the following members with effect from the dates mentioned against their names :

S. No.	MRN	Member's Name & Address	Canc. Date
1.	007735	Mr. Jagdeesh Prasad Shreevastava 110 Usha Nagar Colony Dashera Maidon Road Indore-0	18-04-93
2.	028975	Mr. R. Srisallam Room No. 51 Hostel 3 BHEL Piplani Bhopal-462 021	08-03-93
3.	016615	Mr. Prakash Chand Mehta 2337 Ramlala Street Johari Bazar Jaipur-302003	24-12-92

A. K. MAJUMDAR
Secretary

CENTRAL WAREHOUSING CORPORATION
(A GOVT. OF INDIA UNDERTAKING)

New Delhi-16, the 15th July 1993

NOTICE

No. CWC · III-17/37/93-B&C.—In pursuance of Rule 13 of the Central Warehousing Corporation Rules, 1963, the name and address of the Director elected un-opposed on 14-07-1993 from the class of Shareholders specified in clause (d) of sub-section 1 of section 7 of warehousing Corporations Act, 1962 to fill in the vacancy arising with effect from 11th August, 1993 is notified as under :—

Class of Shareholders	Name & Address of the Director
Scheduled Banks other than State Bank of India	Sh. K.M. Narayanan, General Manager, Indian Overseas Bank, Central Office, Post Box No. 3765 762, Anna Salai, Madras-600 002.

M. DAS GUPTA
Secretary

With reference to the notice appeared in various News Papers on or before 15-6-1993 for Election Meeting of the Shareholding Institutions under Section 7 (1) (d) of the Warehousing Corporations Act, 1962. It is hereby notified that the meeting convened for the election of director to fill the vacancy representing the above class of Shareholding Institutions on Wednesday 4th August, 1993 at 3 PM at New Delhi in the Board Room of the Head Office of the Central Warehousing Corporation, 4/1 Siri Institutional Area, Khel Gaon Marg, New Delhi-110016 has been cancelled as only one nomination in favour of Sh. K. M. Narayanan, General Manager, Indian Overseas Bank, Madras, in respect of the class of above mentioned shareholding Institutions has been received and that, nomination on scrutiny by the Chairman on 14-7-1993 having been found valid, he has been declared as duly elected and unopposed.

The Election, Sh. K. M. Narayanan, Director by Shareholding Institutions of scheduled Banks other than the State Bank of India, Under Section 7 (1) (d) of the Warehousing Corporations Act, 1962 is for a period of two years w.e.f. 11-8-1993, whose details are indicated below.

Sh. K. M. Narayanan,
General Manager,
Indian Overseas Bank,
Central Office,
Post Box No. 3765
762, Anna Salai,
Madras-600002.

M. DAS GUPTA
Secretary

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-110001, the 3rd August 1993

No. 2/1959/DLI/Exemp.[89/Pt.I]1/2624.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme-1976. (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Region Coimbatore

Sl. No.	Name & Address of the Estt.	Code No.	No. & date of the Govt.'s Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry	Period for exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Shree Arunachaleswarar Mills Arooncraft House, Venkatesa Mills P.O. 642128 Udamatbet Taluk, Coimbatore	TN/6919	Z/1959/DLI/Exem/89/Pt. I Dated 21-9-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	Z/3091/90-DLI
2.	M/s. South India Steel Industries, 110/1, B, Nattamangalam, Main Road, P. Box No. 207, Salem-636002.	TN/7429	Do. Dt. 3-5-91	28-2-90	1-3-90 28-2-93	Z/3434/91DLI
3.	M/s. Salem Steel Plant (Steel Authority of India Ltd., SA-150, Railway West Colony, Salem.	TN/7694	Do. Dated 21-8-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	2/95/78/DLI
4.	M/s. Madras Oxygen & Acetylene Co. Ltd., Thekkupalayam (Post) Perianaken Palayam, Coimbatore-20	TN/7945	Do. Dated 26-2-90	30-9-90	1-10-90 30-9-93	Z/3116/90/DLI
5.	The Southern India Mills Association, Post Box No. 3783, Race Co. Course, Coimbatore-641018.	TN/7997	Do. Dated 26-10-89	30-9-89	1-10-89 30-9-92	Z/1723/88/DLI
6.	M/s. Eli Rubber Products Ltd., 1988 Trichy Road, Singanathurs Coimbatore-641005.	TN/8483	Z/1959/DLI/Exem/89/Pt. I Dated 26-10-89	31-10-90	1-11-90 30-10-93	Z/1987/89/DLI
7.	Gandhi Ashram Tiruchauyodu Gandhi Ashram, P. O. Salem, Distt. Pin Code 637201 Tamil Nadu.	TN/10177	Do. Dated 21-5-90	5-5-92	6-5-92 5-5-95	Z/890/83/DLI
8.	M/s. Venkatesa Spinners(P) Ltd. Pethappampatti-638205 Edumalpet Taluk Coimbatore Distt.	TN/10247	Do. Dated 30-6-92	30-11-90	1-12-90 30-11-93	Z/4046,90/DLI
9.	M/s. Sri Rani Mills(P) Ltd., 2/38, Chinnampalayam, Coimbatore-641062	TN/11102	Z/1959/DLI/Exem/89/Pt. I Dated 19-1-90	3-4-92	4-4-92 3-4-95	Z/1428/86/DLI
10.	M/s. M. Ramu Brother (Electricals) P.B. No. 3731, 10,224, Avanashi Road, Coimbatore-641018 (and its Branches in Madurai)	TN/11223	Do. Dated 26-10-89	31-12-90	1-1-91 31-12-93	2/1962/87/DLI
11.	M/s. Coimbatore Popular Spinning Mills (P) Ltd., Trichy Main Road, Pongalur Post, Tiruppur Taluk, Coimbatore Distt.	TN/12461	Do. Dated 28-5-92	31-10-90	1-11-90 31-10-93	Z/4142/82/DLI
12.	M/s. UMS Services Ltd., 316, Gopal Bagh, Avanashi Road, Coimbatore-641018.	TN/16387	Do. Dated 28-5-90	30-4-91	1-5-91 30-4-94	Z/2680/90/DLI
13.	M/s. Allied Piping Products(I) Pvt. Ltd., Plot No. 31, Sipcot Industrial Complex Ltd., Hosur-635126.	TN/16642	Do. Dated 2-1-1991	31-12-89	1-1-90 31-12-90	Z/3302/90/DLI
14.	M/s. The Mettupalayam Co-op. Stores Ltd., Main Road, Mettupalayam-641301.	TN/16911	Do. Dated 26-2-1990	31-8-90	1-9-90 31-8-93	Z/1842/88/DLI
15.	M/s. The Coimbatore Nilgiris Automobiles Spare Parts Co-op. Stores Ltd. No. K. 1748, P. Box No. 6, Main Road, Mettupalayam-641301 (alongwith its other branches under the same Code No.).	TN/17249	SS-35014 (53, 85. SS-IV Dated 25-3-85)	24-3-88	25-3-88 24-3-91 25-3-91 24-3-94	Z/1184/85/DLI

1	2	3	4	5	6	7
16.	M/s. Premier Polytronics Ltd., Boy Trichy Road, Coimbatore-641005 having Branches at Madras, Ahmedabad, Bombay, Calcutta and Delhi.	TN/17467	Z/1989/DLI/Exemption/89 Dated 26-10-89	31-7-90	1-8-90 31-7-93	Z/1838/88/DLI
17.	M/s. Dynaspede Integrated System (P) Ltd., 136-A- sipcot Industrial Complex Hosur-635126	TN/17801	Do. Dated 26-7-1989	30-6-90	1-7-90 30-6-93	Z/1989/DLI/89
18.	M/s. Elgi Tyres & Tread Ltd., 2000, Trichy Road, Singandlur Coimbatore-641005.	TN/21256	Do. Dated 26-10-89	30-9-90	1-10-90 30-9-93	Z/1988/89/DLI
19.	M/s. Rasakondalu Engineering, 2/22, Sengalipalayam, N.C.G.O. Colony Post, Coimbatore.	TN/21262	Do. Dated 28-2-90	31-5-92	1-6-92 31-5-95	Z/3361/91/DLI
20.	M/s. Sreyas Engineering Works, 2/278, Sengalipalayam, N.C.G.O. Colony, Coimbatore-641022	TN/21263	Do. Dated 2-3-1990	31-5-92	1-6-92 31-5-95	Z/3375/91/DLI
21.	M/s. Rugmini Ram Raghu Spinners Pvt. Ltd., (R.R.R. Spinners) Chandralok, 33-40, Ponniahkay Puram Coimbatore-641001.	TN/21320	Do. Dated 16-2-1991	28-2-90	1-3-90 28-2-93	Z/3319/90/DLI
22.	M/s. Veejay Syntex (P) Ltd., 8, A.T.T. Colony, Coimbatore-641018.	TN/21341	Do. Dated 21-11-90	28-2-90	1-3-90 28-2-93	Z/3260/90/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme, appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

4 —219 GI/93

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as Compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims completes in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

KAMPTEE CANTONMENT BOARD

Kamptee, the 7th July 1993

S. R. O. 53/7/C/DB/89.—Whereas the Board published the proposal for revision of consolidated property tax within the limit of Kamptee Cantonment vide notice No CBK/Revision of Tax/3005/D-127, dated the 29th April, 1992 as required by Section 61 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924).

And whereas the Board gave notice of its intention to revise the tax after the expiry of a period of thirty days from the date of the publication of notice published and made available to the public on the 29th April, 1992;

And Whereas, all the objections and suggestions received within the aforesaid period from the public on the said draft have been duly considered by the Board;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 60 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) and in supersession of the notification No. SRO 53/7/C/L&C/87 dated the 16th February, 1985, the Cantonment Board, Kamptee with the previous sanction of the Central Government, hereby imposes consolidated property tax on all buildings and lands situated within the limits of Kamptee Cantonment at the rate of 23 per cent per annum of the annual rental value of such properties.

DHARAM PAL
Cantt. Executive Officer,
Kamptee
(File No. CBK/Tax/93)

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 16th June 1993

No. UT/DBDM/2131A/SPD 62/92-93.—The Amendments to the Provisions of the Institutional Investors' Special Fund Unit Scheme approved by the Executive Committee in the Meeting held on 6th April 1993 are Published herebelow

ANNEXURE

AMENDMENTS TO INSTITUTIONAL INVESTORS' SPECIAL FUND UNIT SCHEME

Sub clause (2) of Clause IV on "Application for Units" shall be amended as:

"Every application for purchase of units shall be for a minimum of 2.5 lac units i.e. Rs. 2.5 lacs and thereafter in multiples of fifty thousand units i.e. Rs. 5 lacs with no maximum Limit."

Also there shall be amendments to the following clauses:

- (1) Para 2 of Clause V (A) on "Transfer of investments from other Schemes" shall be amended as follows: "The conversion will be for a minimum of fifty thousand units and in multiples of fifty thousand units thereafter. The balance amount not in multiples of fifty thousand units will be refunded to the unitholders."
- (2) In Sub clause 4 (ii) of Clause IV on "Application for Units" multiples of 1 lac units (subject to a minimum of 10 lac units) shall be substituted by multiples of fifty thousand units (subject to a minimum of 2.5 lac units).
- (3) "Multiple of 1 lac units" appearing in line 8 of Clause VI (1) (i) and also appearing in lines 5 & 10 of Clause VI (2), on "Repurchase of Units" shall be replaced by "multiple of fifty thousand units".
- (4) "Multiples of 1 lac units" appearing at the end of the Form of Application for repurchase of Units shall also be replaced by "Multiples of fifty thousand units".

Bombay, the 16th June 1993

No. UT/DBDM/2131A/SPD 51 etc/92-93.—The Amendments to the Provisions of the Reinvestment Plan 1966.

Childrens' Gift Plan 1970, Rajlakshmi Unit Scheme, Omni Unit Scheme 1991 and Omni Unit Plan 1991 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 19th April 1993 are Published herebelow.

ANNEXURE

AMENDMENTS TO RAJLAKSHMI UNIT SCHEME

(1) In the Definitions given under Clause 11 of the provisions of the scheme the following shall be added as:

- (a) Item (el): "alternate child" means a girl child other than the child in whose favour the units have been issued and as referred to in Clause IV 3(iv) of this Scheme;
- (b) Item (fl): Eligible institution means an eligible trust as defined under the Unit Trust of India General Regulation 1964 and includes private trusts created by an instrument in writing and being irrevocable or a Charitable or Religious Trust or endowment or Registered Society which is administered, controlled or supervised by or under the provisions of Central or State Enactment which is for the time being in force (Excluding Co-operative Societies).

(2) The following shall be included as sub-clause 3 (vi) in clause IV on "Application for units":

"An applicant desirous of participation in the scheme may, at the time of making the application or at any time during the period the child participates in the scheme, indicate in the application that in the event of the child dying within the stipulated lock in period another girl child mentioned in this behalf in the application, and not more than 5 years of age at the time of making the application, shall be entitled to all the rights of the first mentioned child. On the death of the first mentioned child within the stipulated lock in period the provisions of the scheme shall apply as if the surviving second mentioned child had been the only child mentioned in the application.

(3) Clause XXI of the provision of the scheme on "Death of unitholder" shall be replaced by the following:

- (i) In the event of death of the child in whose favour units have been issued, before the completion of the stipulated lock-in period, Trust shall pursuant to what has been stated in Clause IV 3(vi) herein, recognise the alternate child if any as the person entitled to the amount payable by the Trust in respect of units issued in favour of the child.
- (ii) In the event of the death of the child, the alternate child shall continue in the scheme upto the completion of the lock-in period provided however the applicant furnishes to the Trust all the necessary particulars incidental thereto and as may be called for by the Trust to enable the alternate child to continue in the Scheme.
- (iii) In the event of the death of the child during the stipulated lock in period and where no alternate child has been named the executor or administrators of the deceased child or a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act (39 of 1925) shall be the only person/s who will be recognised by the Trust as having any title to the units.
- (iv) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death of the child may upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the amount due after all the formalities in connection with the claim have been completed with by the claimant.
- (v) In the event of the simultaneous death of the child and the alternate child where one has been named, the legal heirs of the deceased child alone will have a right to claim for the units standing to the credit of the deceased child. The legal heirs of the alternate child can stake no claim whatsoever.

(vi) Eligible institutions, a Company, a Body Corporate, Central/State Government shall be required to execute a Trust deed or other appropriate document setting apart money for investment in the scheme and constituting office bearer/s of institutions or the individuals as Trustees. The Trust Deed inter alia may provide that :

- (a) The money invested in the scheme should be received by the girl on completion of the stipulated lock-in period and that in the event of the death of the child before the maturity of the investment the same should become payable to the institution and the institution should be entitled to receive the same.
- (b) During the stipulated lock-in period institution will not be in any position to claim the amount. The amount will be paid to the child after maturity.
- (c) Also in case of the death of the child during the stipulated lock-in period, the amount may be paid to the institutions, or they may be given the option to nominate an alternate girl child if such a nomination has not been made at the time of making the application. Under these circumstances the maturity amount will be paid to the alternate child.

AMENDMENTS TO OMNI UNIT SCHEME—1991

The 1st para of Clause XVII on "Income Distribution" of the Provisions of the Scheme shall be amended as follows :

"The Trust shall pay the dividend at rate on par with the then prevailing Bank rate applicable for term deposits of 46 days to 1 year duration."

In sub-clause (6) of Clause IV of the provision of Omni Unit Scheme the following para shall be included :

"However, in respect of Monthly Income Schemes the minimum investment shall be 200 units for the cumulative option and 500 units for the monthly income option."

AMENDMENTS TO OMNI UNIT PLAN—1991

In Clause 2 of the Omni Unit Plan the following para shall be included :

"However, in respect of Monthly Income Schemes the minimum investment shall be 200 units for the cumulative option and 500 units for the monthly income option."

AMENDMENTS TO REINVESTMENT PLAN—1966

Para 16 of the Reinvestment Plan shall be amended as :

"The sale price of units under US 84 allotted to a unit-holder in pursuance of this Plan shall be at a price which will be less than 2.5% of special offer price fixed for the sale of units under the US '64 for the beginning of the month of July of the new accounting year or at the Rights/Preferential Offer issue price or such other price as may be determined by the Trust for the month of July each year. The lowest price will be rounded off to the nearest multiples of 5 paise and will be effective from July, 1993".

AMENDMENTS CHILDREN'S GIFT PLAN—1970

Paragraph 12. of the provisions of Children's Gift Plan, 1970 shall be substituted by the following paragraph :

"The entire amount of income distribution shall be deemed to have been applied towards purchase of units including the fractional units. The sale price of units under Unit Scheme, 1964 allotted to a unitholder in pursuance of this plan shall be at a price which will be less than 2.5% of the special offer price fixed for the sale of Units under the unit Scheme, 1964 for the beginning of the month of July of the new accounting year or at the Rights/Preferential Offer issue price or such other price as may be determined by the Trust for the month of July each year. The lowest price will be rounded off to the nearest multiples of 5 paise and will be effective from July, 1993".

Bombay, the 16th June 1993

No. UT/DBDM/2131A/SPD 51 etc./92-93.—The Amendments to the Provisions of the Unit Scheme 1964, Reinvestment Plan, 1966, Children's Gift Plan, 1970, Rajlakshmi Unit Scheme, and Children's Gift Growth Fund Unit Scheme, 1986 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 31st May, 1993 are published here below :—

ANNEXURE

AMENDMENTS TO UNIT SCHEME—1964

A new Clause 22B shall be inserted in the provisions of Unit Scheme, 1964.

"The Trust may offer units for subscription to such of the unitholders at such price/prices and on such terms and conditions and in such form and manner as may be stipulated by the Trust for the purpose,

Likewise the Trust may offer income distribution to such of the unitholders at such price/prices and on such terms and conditions and in such form and manner as may be decided by the Trust for the purpose."

AMENDMENTS TO CHILDREN'S GIFT PLAN—1970

A new Clause 11A shall be inserted in the provisions of Children's Gift Plan, 1970 :

"The Trust may offer units for subscription to such of the members at such price/prices and on such terms and conditions and in such form and manner as may be stipulated by the Trust for the purpose.

Likewise the Trust may offer income distribution to such of the members as may be applicable at such price/prices and on such terms and conditions and in such form and manner as may be decided by the Trust for the purpose."

AMENDMENT TO REINVESTMENT PLAN—1966

A new Clause 17A shall be inserted in the provisions of Reinvestment Plan, 1966 as given below :

"The Trust may offer units for subscription to such of the members at such price/prices and on such terms and conditions and in such form and manner as may be stipulated by the Trust for the purpose.

Likewise the Trust may offer income distribution to such of the members at such price/prices and on such terms and conditions and in such form and manner as may be decided by the Trust for the purpose."

AMENDMENTS TO CHILDREN'S GIFT GROWTH FUND UNIT SCHEME—1986

A new Sub-clause 19(f) shall be included as :

Sub-clause 19(f)

A Company, a Body Corporate, Registered Society or an eligible Trust shall be required to execute a Trust Deed or other appropriate document setting apart money for investment in the scheme and constituting office bearer/s of institutions or the individuals as Trustees. The Trust Deed inter alia shall provide that :

- (a) The money invested in the scheme should be received by the child on attaining the age of 21 years and that in the event of the death of the child before the maturity of the investment and in the absence of an alternate child the same should become payable to the institution and the institution would be entitled to receive the same.
- (b) In the event of the death of the first named child before the maturity of the investment, the institution may be given an option to name an alternate child, if no such alternate child has already been named. Under these circumstances, the investment after maturity will be paid to the alternate child.
- (c) In the event of the death of both the first named child and the alternate child, the Institutions and not the legal heir/s of the child/alternate child shall be entitled to receive the amount payable by the Trust.
- (d) During the lock-in period, institution will not be in any position to claim the amount. The amount will be paid to the child after maturity.

Amendments to Rajlakshmi Unit Scheme

(1) Clause IV on "Application for units" shall be amended as:

"Applications for units shall be made by any Adult Indian Individual Resident or non-Resident, a Company, a Body Corporate, Registered Society, an eligible Trust, Central/State Government or a Court appointed guardian desirous of participating in favour of the female child not exceeding five years of age on the date of application in the form prescribed by the Unit Trust of India. Non-residents may invest on repatriable or non repatriable basis depending on the source of investment and on the residential status of the donee/legal heir(s).

In case of an applicant who is an Adult Non-resident Indian being Indian Nationals or persons of Indian origin the donee child can be a Non-resident or Resident. The alternate child can also be either a Non-resident or a Resident."

(2) The following shall be added as a new Sub-clause (iii) to Clause IV:

"The payment for the units applied for by a Non-resident Indian Adult shall be made by him alongwith the application by debit to a Non-resident (ordinary)/Non-resident (external)/Foreign Currency Non-resident A/c kept in India in the name of the purchaser with an authorised dealer in foreign exchange in India or by way of remittance in foreign currency through normal banking channels. The application may also be tendered at the office of the Trust with a Rupco Cheque/Draft. Payments in Nepalese and Bhutanese currencies are not acceptable.

(3) The following shall be added to Sub-clause (vi) of clause IV:

In respect of a Non-resident Indian applicant the Unit Certificate bearing the child's name may be sent to the address given in the application or to the address of the applicant's bank in India which is an authorised dealer or the bank in the applicant's Country of permanent/present residence.

(4) The following shall be added to Clause XXIII on "Income Distribution"

"In case of a Non-resident child, the cumulative amount can be remitted in foreign exchange after the completion of the lock-in period, provided the original units were purchased by remittance from abroad or from a Non-resident (External)/FCNR A/c and the donee child continues to be resident abroad. If the units were purchased from a Non-resident (Ordinary) account, the cumulative amount will be credited to a Non-resident (Ordinary) A/c in the name of the child with a bank in India being an authorised dealer in foreign exchange. In the case of a resident child, the cumulative amount will be paid to her in Rupees.

(5) The following shall be added to Clause XXIX on "Benefits to the Unitholders":

"The benefits available/Facilities provided to Non-resident/Resident Donee in respect of applications made by a Non-resident Adult individual shall be as per the Foreign Exchange Regulations as are applicable from time to time."

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 18th August 1993

Nb. UT/DBDM/393A/SPD 60/93-94.—The Provisions of the Senior Citizens' Unit Plan formulated under Section 19(1) (8) of the Unit Trust of India Act, 1963 and the Senior Citizens Unit Scheme made under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 6th April 1993 and amended in the Executive Committee Meeting held on 13th May 1993, are published herebelow.

Provisions of Senior Citizens' Unit Plan

In exercise of the powers conferred by Section 19 (1) (8) (c) of the Unit Trust of India Act 1963, the Board of Trustees of the Unit Trust of India hereby makes the following Plan: The Plan shall be called "Senior Citizens Unit Plan" and shall come into force on [3rd May, 1993].

The Plan shall be applicable to units issued under the Senior Citizens Unit Scheme and/or under any other scheme which the Trust may make hereafter and to which it may make the Plan applicable.

Objectives

At present there is no medical security system in the country to protect individuals against hospitalisation expenses especially after superannuation. Considering the Senior citizens' need for medical care and protection against expensive hospitalisation facilities, the Trust now launches the Senior Citizens' Unit Plan formulated in accordance with the Senior Citizens Unit Scheme. The primary objective of the Plan is to help individuals build up savings in order to enjoy assured medical and hospitalisation benefits for their spouse and themselves when they become senior citizens.

(1) Eligibility for Participation

Application for units can be made only by Resident individuals in the age group of 21-55 on Single basis (i.e. joint

applications are not allowed), though the benefits are available to both the member and the spouse. During the initial special offer period individuals upto the age of 60 years shall be allowed.

(1)[During this period, if, the member has completed 55 years of age at the time of joining the Plan, then the spouse shall not be above the age of 60 years].¹

The applicant as defined under the scheme is hereinafter referred to as "member".

(2) Offer for Sale of Units.

The units under the Plan will be initially on sale from 3rd May to 25th June 1993 and the further offer for sale shall be between 1st January and 31st March every year or any three month period as may be decided by the Trust from time to time. The face value of each unit shall be Ten Rupees. Investments under the Plan shall be for a multiple of (*) [10] units subject to the stipulated minimum number of units which varies depending on the age of the member at the time of joining the Plan or such other minimum number of units as may be stipulated in this behalf. An investor aged 21 years will be required to invest a minimum of Rs. 2,500/-, an investor aged 55 will be required to invest a minimum of Rs. 38,000/- and for a person joining at the age of 60 years during the initial offer period it could be Rs. 34,2000/- for acquiring a medical insurance cover of Rs. 5 lakhs.

The minimum investment made by the member as mentioned in the table (given under the scheme) according to the age of member at the entry point will be in such a way that the member and the spouse will be entitled for the medical insurance cover upto a maximum of Rs. 5 lakhs.

(3) Payment

The payment for the units applied for shall be made by an applicant alongwith the application in cash, cheque or draft. Cheques and drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office of the Trust at which the application is tendered, is situated and be crossed A/c. Payee only. If the payment is made by cheque the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the instrument is received by the Trust. If payment is made by draft, the acceptance date will subject to such draft being realised be the date on which the draft is issued provided the application is received by the office of the Trust within a reasonable time.

(1) Substituted for 19th April, 1993.

(2) Inserted on 13-05-1993.

(3) Substituted for "19th April 1993 to 31st May 1993" on 13-5-93.

(4) Substituted for "100" on 13-05-1993.

(b) A suitable acknowledgement or receipt will be issued by the Trust on acceptance of the application form.

(c) The Trust shall as soon as possible, advise each member of his admission into the Plan along with his membership no. In all his correspondence with the Trust, a member shall quote his membership number.

(d) A membership certificate shall be issued to a member with respect to units acquired under the Plan.

(4) Withdrawal from membership

Every unitholding account will be required to be kept for a minimum period of one year for all those members who join the Plan before 55 years of age. After the Lock-in Period of 1 year from the date of application till the end of 3 years, a member may withdraw from the plan and he will be reimbursed his contribution less 5% for administrative and other costs. After the completion of 3 years, a member may withdraw anytime and will be paid an amount equal to the subscription amount compounded at 10% per annum after making adjustments for insurance premia paid, if any. This rate of appreciation may however, be revised every two years. The amount Payable will be till the close of the previous quarter of the Calendar year preceding the date of submission of application for withdrawal to the Trust. There is no such repurchase facility to the members joining after the age of 55 years during the special offer period.

There will be no repurchase/withdrawal in the month of June when the Register of Members is closed for the purpose of accounts.

(5) Death Claims

(1) In the event of the death of the member the spouse whose name has been registered with the Trust shall be allowed to continue in the Plan with his/her share of coverage or withdraw from the plan.

(2) In case of death of the member who has not furnished details of the spouse and in the case of the death of both the member and the spouse, the nominee shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the membership certificate/s without any further proof.

(3) In the absence of a valid nomination by a member who has not furnished details of the spouse the executor or administrators of the deceased member or a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the units.

(4) Any person becoming entitled to a unit/s consequent upon the death or bankruptcy of a member may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be considered to get his name registered in the Register as member.

(5) In the event of death of the member anytime during the lock-in period of 1 year after joining the plan the Trust shall repay the claimant his contribution less 5% for administrative and other costs.

(6) In the event of death of the member and the spouse after the age of 55 years and before the commencement of the benefit period, the claimant—nominee/legal heir will be paid the subscription amount along with the applicable capital appreciation of the fund for each year till death adjusted for insurance premium paid by the Trust.

(7) In the event of death of both the member and the spouse after the commencement of the benefit period, (i.e. after 58 years of age) the legal heir/nominee will be paid the sum equal to the terminal benefits as referred to under clause XXII (2) of the Scheme and no further premia in respect of the said policy will be paid.

(8) For all deaths that take place after the commencement of premia no refund of premium shall be given.

(9) In case of death of the member, if there had been a change in the spouse and the same has not been communicated to the Trust, the legal heir/nominee can withdraw the investment under the plan. The new spouse will not be entitled for medical insurance cover under the plan.

(6) Nomination

Members may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the regulations.

(7) Transfer

Units issued in the scheme and the Plan made thereunder shall not be transferable or pledgeable.

(8) Additions and amendments to the Plan

The Board may, from time to time add to or otherwise amend this Plan and any amendment thereof will be notified in the official Gazette.

(9) Termination of the Plan

The Plan shall stand finally terminated at the discretion of the Trust. In the event of termination of the Plan no new entrants shall be allowed to join the plan after the specified date of termination. The outstanding units of the Members whose names are entered in the Register on the date to the specified shall be repurchased at such a rate as may be decided by the Trust. The Members shall be paid the amount due as early as possible, after the membership certificate/s with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The Membership Certificate received for repurchase shall be retained by the trust for cancellation. When the Trust decides to terminate the Plan, it will be binding on the members and they shall have no right to persuade the Trust to continue the Plan.

(10) Plan to be binding on members

The terms of this Plan, including any amendments thereof from time to time, shall be binding on each member and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding.

(11) The Provisions of the Plan to be subject to the Provisions of the Scheme

The provisions of the Plan in respect of any units acquired or held under this Plan for acquisition of interest in units shall be read subject to the provisions of "Senior Citizens Unit Scheme".

(12) Copy of Plan to be made available

A copy of this Plan incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours on payment of a sum of Rs. 5/- and may be supplied by the Trust to any person on application.

(13) Power to construe provisions

Should any doubt, arise as to the interpretation of any of the provisions of the Plan, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Plan, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Plan and such decision shall be final and conclusive.

(14) Relaxation/Variation/Modification of provisions

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of Trust in order to mitigate hardships or for smooth and easy operation of the Plan, relax, vary or modify any of the provisions of the Plan in case of any unitholder, or class of unitholders upon such conditions as may be deemed expedient.

SENIOR CITIZENS UNIT SCHEME

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act 1953, the Board of Trustees of the Unit Trust of India hereby makes the following Unit Scheme :

Objectives

At present there is no medical security system in the country to protect individuals against hospitalisation expenses especially after superannuation. Considering the senior citizens' need for medical care and protection against expensive hospitalisation facilities, the Trust now launches the Senior Citizens' Unit Scheme. The primary objective of the scheme

is to help individuals build up savings in order to enjoy assured medical and hospitalisation benefits for their spouse and themselves when they become senior citizens.

1. Short title and commencement

(1) This scheme shall be an open ended one and shall be called "Senior Citizens' Unit Scheme" (SCUS).

(2) It shall come into force on the [3rd day of May 1993].

(3) The units under the Scheme will be initially on sale from [3rd May 1993 to 25th June 1993]. Subsequently the Trust shall keep sales open between 1st January and 31st March every year or any three month period as may be decided by the Trust from time to time, (Provided that the Chairman or the Executive Trustee may suspend/extend the sale of units under the scheme at any time during this period by giving one week's notice in such newspapers as may be decided).

II. Definitions

In this Scheme, unless the context otherwise requires—(a) the "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;

(b) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or withdrawal of units means the day on which the Trust after being satisfied that such application is in order, accepts the same;

(c) "any one illness" will be deemed to mean continuous period of illness and it includes relapse within 45 days from the date of last consultation with the Doctor/Hospital/Nursing Home/Medical Research Centre/Any Other Similar Institution occurrence of some illness after a lapse of 45 days as stated above will be considered as new illness;

(d) "[Hospital/Nursing Home/Medical Research Centre/Any Other Similar Institution shall be deemed to mean any institution in India established for indoor care and treatment of sickness and injuries and which has been registered either as a hospital or Nursing Home or Medical Research Centre or as Any other similar Institution with the local authorities and is under the supervision of a registered and qualified doctor.

The term "Hospital" shall not include an establishment which is a place of rest, a place for the aged, a place for drug addiction, a place of alcoholism, a hotel or a similar place. In case Hospital/Nursing Home/Medical Research Centre/Any other similar Institution is not registered with the local authority, the minimum requirements to be complied with will be as under :

- (1) It should have atleast 10 outpatient beds.
- (2) fully equipped nursing staff in its employment round the clock.
- (3) fully equipped operation theatre of its own.
- (4) A medical practitioner should be in charge round the clock.]

(e). "Medical practitioner" means a person who holds a degree/diploma of a recognised institution and is registered by a Medical Council of respective state of India.

1. Substituted for "19th day of April, 1993" on 13-5-1993;
2. Substituted for "19th April, 1993 to 31st May, 1993" on 13-5-1993;
3. Modified on 13-5-93 to include Medical Research Centre/Any other similar Institution.

(f) "number of units in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding;

(g) "Qualified Nurse" means a person who holds a Certificate/Diploma of a recognised Nursing Council and who is employed on recommendation of the attending Medical Practitioner.

(h) "recognised stock exchange" means a stock exchange which is, for the time being recognised under the Securities Contracts Regulation Act, 1956 (42 of 1956);

(i) "Medical Insurance Cover" means and includes the medical benefits as would be available under the scheme and the Plan made thereunder by way of hospitalisation payable to the Member and the Spouse for an amount not exceeding Rs. 5 lakhs (Rupees Five Lacs Only).

(j) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43 (1) of the Act;

(k) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees Ten in the Unit Capital.

(l) all other expressions not defined herein but defined in the Act shall have the respective meanings assigned to them by the Act.

III. Face Value of each Unit

The face value of each unit shall be Ten Rupees.

IV. Application for Units

Application for units can be made only by Resident Individuals in the age group of 21—55, on single basis (applications will not be allowed on joint basis) though the benefits could be both for member and the spouse. During the initial offer period individuals upto the age of 60 will be allowed.

(1) [During this period, if, the member has completed 55 years of age at the time of joining the Plan, then the spouse shall not be above the age of 60 years].

Applications shall be made in such form/s as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Trust.

V. Minimum amount of investment :

Applications shall be for a multiple of (2)[10] units subject to the stipulated minimum number of units which varies depending on the age of the applicant at the time of joining the scheme or such other minimum number of units as may be stipulated in behalf. An investor aged 21 years will be required to invest a minimum of Rs. 2,500/- and an investor aged 55 will be required to invest a minimum of Rs. 38,000/- for acquiring a medical insurance cover of Rs. 5 lakhs. For a person joining at the age of 60 years during the initial special offer period it could be Rs. 34,200/-. The minimum amount to be invested (as per given table) may vary depending upon the rate of growth of the fund and the review of the amount of premium, if any, during the period of subsequent sale and shall be announced at the appropriate time.

1. Inserted on 13-5-1993;
2. Substituted for 100 units on 13-5-1993.

MINIMUM AMOUNT REQUIRED UNDER SCUS-93

Age	Minimum Amount	Age	Minimum Amount	Age	Minimum Amount
21	2500	34	5800	47	13400
22	2500	35	6300	48	20300
23	2500	36	6900	49	22300
24	2600	37	7500	50	24500
25	2800	38	8200	51	26700
26	3000	39	9000	52	29000
27	3300	40	9800	53	32000
28	3600	41	10600	54	35000
29	3900	42	11700	55	38000
30	4200	43	12800	56	30300
31	4500	44	14000	57	31100
32	4900	45	15300	58	32000
33	530	46	16700	59	33000
				60	34200

Assumptions for the above table :

(i) Premia grows @ 5% upto the age of 51 years and @0% thereafter (20% hike up after 4th year).

(ii) Investment grows (age groupwise) as under :

21 to 30—14%; 31 to 40—14.5%; 41 to 45—15%;
46 to 50—15.5%; and 51 to 55—16%.

iii) Premia paid in four instalments of Rs. 5,625/- and three instalments of Rs. 4,975/- (discounted at 13%).

(iv) The rate of premia is for both member and spouse.

(v) Upto the age of 55, the minimum amount consists of 1.5 times the premia amount for giving annuity. Above 55 years, only the premia is included.

vi) The amounts have been rounded off to the nearest 100.

The minimum amount of investment as mentioned above will cover the hospitalisation medical benefits payable for both the member and spouse. Any investment above the minimum amount specified will not entitle the investor for any additional medical insurance cover but would increase the amount of annuity or terminal benefits. There is no limit on maximum amount of investment. Multiple memberships shall not be allowed.

The payment for the units applied for shall be made by an applicant along with the application in cash, cheque or draft. Cheques and drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office of the Trust at which the application is tendered, is situated and be crossed A/c Payee only.

If the payment is made by cheque the acceptance date will, subject to such cheque being realised, by the date on which the instrument is received by the Trust. If payment is made by draft, the acceptance date will subject to such draft being realised be the date on which the draft is issued provided the application is received by the office of the Trust within a reasonable time. If the amount tendered by way payment for the units applied for, is not sufficient to cover the amount payable for the units applied for, the applicant shall be issued such lower number of units as could be issued under the Scheme subject to the minimum units and the balance amount due to him shall be refunded to him at his cost in such manner as the Trust may deem fit. If any application is incomplete or tendered by an applicant not eligible for investments in the scheme, the application will be rejected and the amount refunded without any interest.

I. Submission of particulars of spouse :

Those members who are having spouse at the time of joining the scheme may give the details about their spouse in the application form itself. Any change in this regard should be communicated to the Trust immediately along with necessary legal documents, in such case the new spouse shall be eligible for Medical Insurance Cover. Those members who are not married at the time of joining the plan may submit particulars about the spouse immediately after marriage. After completion of 54 years but before completion of 55 years the Trust shall call for the details about the spouse including name, address, recent photograph and signature. The identity card will be issued based on the information given then. The member will have the option to confirm whether he/she still wants the spouse to be covered under the scheme at that time. If the details of the spouse are not furnished by the member, the benefits shall be deemed to be available only for the member and accordingly premia shall be paid to NIAC.

II. Sale of units :

The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall, as soon thereafter as possible, send the applicant an acknowledgement thereof. As soon as possible thereafter, the Trust shall issue to the applicant one membership certificate representing the units sold to him. The membership certificate/s will be sent by registered post, with or "without acknowledgement due", to the address given by the applicant; and the Trust will not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the membership certificate, so sent.

III. Withdrawal from membership

There will be a minimum lock-in-period of 1 year for all those joining the scheme before the age of 55 years. After the lock-in-period of one year from the date of application till the end of third year, a member may withdraw from the scheme and he will be reimbursed his contribution less 3% for administrative and other costs. After completion of three years, a member may withdraw anytime and he will be paid an amount equal to the subscription amount compounded at 10% per annum after making adjustments for insurance premia paid, if any. This rate of appreciation may, however, be revised every two years. The amount payable will be till the close of the quarter of the calendar year preceding the date of submission of application for withdrawal to the Trust. There will be no such withdrawal facility to the members joining after the age of 55 years during the special offer period, however, after the payment of 7 instalments of premia, the sum equal to the terminal benefit may be withdrawn.

In the case of members joining the plan upto the age of 55 years, if the membership is withdrawn after the age of 58 years, (i.e. after payment of 4th instalment of premium) the medical insurance cover of Rs. 2.5 lakhs will continue to be available. Similarly, if they withdraw from the plan after the age of 61 years, medical insurance cover of Rs. 5 lakhs will be available.

For those joining the plan after the age of 55 years, the medical insurance cover of Rs. 5 lakhs will continue to be available even if they withdraw from the plan after 6 years of joining.

IX. Restrictions on sale and repurchase of units :

(1) Notwithstanding anything contained in any other provisions of this Scheme the Trust shall not be under an obligation to sell or repurchase units :—

- (i) On such days as are not working days; and
- (ii) During the period when the registers of members is closed in connection with (as notified by the Trust) the annual closing of the books and accounts.

Explanation : For the purpose of this scheme, the term "working day" shall mean a day which has not been either :—

- (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra; or
- (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the head office of the Trust will be closed.

(2) (i) The contract for repurchase shall be deemed to have been concluded on the acceptance date.

(ii) Where an application by an applicant for repurchase of units has been accepted by the Trust, the Trust shall, as soon thereafter as possible, send the applicant an acknowledgement therefor.

(3) Payment for the units repurchased by the Trust shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in his application. No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant, and the cost of remittance or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

X. Sale or repurchase of units to be as on the acceptance date :

(1) Every sale or repurchase of units by the Trust shall be as on the acceptance date at the respective prices/rates prevailing on that date;

- (i) The price at which a unit will be sold by the Trust (hereinafter referred to as "the sale price")
- (ii) Units will be sold at par.

(2) Notwithstanding anything contained hereinabove when the Trust is satisfied that in the interest of the Trust, the members and of the continuance and growth of the scheme, it is necessary or expedient to do so, the Trust may determine the sale price or rate of repurchase/method of withdrawal of membership or both at a rate which may not necessarily be accordance with the provisions given above and any such determination shall be deemed to be in the interest of the Trust and the members.

(1) [XA Declaration and Reinvestment of Income]

The Trust shall declare the rate of appreciation under the Plan in July every year which shall be reinvested into further units at par; however, the first such declaration shall be made only in July 1994. The appreciation will be on a pro-rata basis depending on the date of acceptance of the application. The premia payable to NIAC shall be paid out of this appreciation/original investment or both.

The rate of annuity shall be declared and paid in July every year once the member attains the stipulated age.]

XI. Valuation of assets pertaining to this Scheme

For the purposes of valuation of assets under the scheme assets shall be classified into (a) cash, (b) investments, (c) properties and (c) other assets.

(A) Valuation of Investments—

Investments shall be valued by taking;

(a) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made of the securities held by the Trust pertaining to this scheme provided where a security is quoted on more than one stock exchange, the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust;

(b) Where during the relevant period any investment was not dealt in, or quoted on any recognised stock exchange, such value, as the Trust may, in the circumstances consider to be the fair value of such investment; and

Adding thereto :—

(c) In the case of interest earning deposits, interest accrued but not received;

(d) In the case of Government securities and debentures, interest acquired but not received, and

(e) In the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend; any dividend declared but not received.

(B) Valuation of other assets—

Other assets of the Fund shall be valued at their book value or realizable value, whichever is less. In other words, if it comes to the notice of the Trust that there has been depreciation in the market value of other assets, it may take the market value as may be determined.

XII. Form of Membership certificate :

Membership Certificate shall be in such form as may be approved by the Chairman. Each Membership certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name/s of the member/s. Membership certificates shall also bear the date on which the lock-in period of one year expires.

XIII. Manner of preparation of Membership certificate :

The Membership Certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No membership certificate shall be valid unless and until it is so signed. Membership Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon, may have ceased to be a person authorised to sign membership certificates on behalf of the Trust. Provided that should the membership certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate; the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The Membership Certificate so issued shall also be valid.

XI. Trust not to be recognised regarding Membership certificates

The person who is registered as a member and in whose name a membership certificate has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the member and as having a right, title or interest in or to such membership certificate and the units which it represents; and the Trust may recognise such member as the absolute owner

(1) Inserted on 13-5-1993.

thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take notice of the execution of any trust or save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction affecting the title to any membership certificate or the units thereby represented.

XV. Exchange of Membership Certificates and procedure when the certificate is mutilated, defaced, lost etc. :

(1) In case any membership certificate shall be mutilated or worn or defaced, the Trust at its discretion, may issue to the person entitled a new membership certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or worn or defaced membership certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, at its discretion, issue to the person entitled a new certificate in lieu thereof no such new certificate shall be issued unless the applicant shall previously have

(i) Furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement loss, theft or destruction of the original membership certificate.

(ii) Paid all expenses in connection with the investigation of the facts, produced and surrendered to the Trust the mutilated or worn out or defaced membership certificate; and

(iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require. The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

(2) Before issuing any certificate under the provisions of this clause, the Trust may require the applicant for the membership certificate to pay a fee of Rs. 1/- per membership certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover any charges or other charges or taxes including postal registration charges as may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate.

XVI. Register of members :

The following provisions shall have effect with regard to the registration of members :

(1) A register of members shall be kept by the Trust at its Head Office and there shall be entered in the register :

(a) the name and addresses of the members;

(b) the distinctive number of the membership certificate and the number of units held by every such person; and

(c) the date on which person became the holder of the units in his name,

(d) expiry of lock in period of units i.e. the date from which they can be tendered for repurchase.

(2) Any change of name or address on the part of any member shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly.

(3) Except when the register is closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any member without charge.

(4) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 60 days in any one year; the Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspaper as the Board may direct.

(5) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

XVII. Receipt by member to discharge Trust :

5—219GT/93

The receipt of the member for any moneys paid to him in respect of the units represented by the certificate/s shall be a good discharge to the Trust.

XVIII. Death Claims :

(1) In the event of death of the member anytime, the surviving spouse whose name has been registered with the Trust shall be given the option to either continue in the Scheme with his/her share of coverage or withdraw from the scheme.

(2) In case of a member who has not furnished details of the spouse and in case of the death of both the member and the spouse, the nominee shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the membership certificate/s without any further proof.

(3) In the absence of a valid nomination by a member who has not furnished details of the spouse, the executor or administrators of the deceased member or a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the units.

(4) Any person becoming entitled to a unit/s consequent upon the death or bankruptcy of a member may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be considered to get his name registered in the Register as member.

(5) In the event of death of the member any time during the lock-in period of 1 year after joining the Scheme the Trust shall repay the claimant his contribution less 5% for administration and other costs.

(6) In the event of the death of the member and the spouse after the age of 55 years and before the commencement of the benefit period, the claimant nominee/legal heir will be paid the subscription amount along with the applicable capital appreciation of the fund for each year till death adjusted for insurance premium paid by the Trust.

(7) In the event of death of both the member and the spouse after the commencement of the benefit period, its after 58 years) the legal heir/nominee will be paid the sum equal to the terminal benefit referred to in Clause XXII(2) and no further premia in respect of the said policy will be paid.

(8) For all deaths that take place after the commencement of payment of premia no refund of premium shall be given.

(9) In case of death of the member, if there had been a change in the spouse and the same has not been communicated to the Trust, the legal heir/nominee can withdraw the investment under the scheme. The new spouse will not be entitled for medical insurance cover under the scheme.

(10) In the event of death of the member before the benefit cover period commences and the member does not have a spouse, the claimant will be paid the subscription amount along with the applicable capital appreciation of the fund for each year till death adjusted for insurance premium paid by the Trust.

For settlement of death claims (as indicated from Serial No. 1 to 10), the Trust may prescribe such forms, make such further rules from time to time as may be considered necessary.

XIX. Nomination by members :

Members may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the regulations.

XX. Transfer of units :

Units issued under the scheme shall not be transferable

or pledgeable.

XXI. Investment limits :

Investments by the Trust from the funds of the scheme of the securities of any one company shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such companies.

Provided that the aggregate of such investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

The limits prescribed shall not apply to investments of the Trust in bonds, deposits and debentures of a company whether secured or not.

XXII. Annuity :

(1) For all those who join the scheme before the completion of 55 years of age, an annual return will be available after the completion of 58 years onwards to take care of some non-hospitalisation expenditures also.

Amount of annuity will depend on the appreciation of the fund under the scheme and will be more for persons joining the scheme at an earlier age. The calculations for appreciation will be made on an annual basis.

The following example indicates for three different investors who join the scheme at the age of 21, 40 and 55 years, the likely amount of annuity or terminal benefit :

Entry Age	Age from which annuity starts	Initial Investment (Rs.)	Principal Outstanding (Rs.)	Amount of Annuity (Rs. p.a.)
		Rs.	Rs.	Rs.
21	58	2,500	1,73,000	24,000
40	58	9,800	38,000	5,400
55	58	38,000	14,000	2,000

Assumptions :

(i) The premia as per the table prepared earlier is paid at the beginning of 55th year of age (i.e. on the 55th birthday).

(ii) The benefits are to start at the beginning of the 58th year of age.

(iii) The residual amount grows @ 14% for the remaining period.

(iv) The entire amount of growth (14%) will be paid out in the form of annuity. For those joining after 55 years (i.e. during special offer period) there will be no annuity.

(v) The principal outstanding to be returned to the member at his option.

(2) Should be member, however, prefer to withdraw total appreciation to his credit, he may withdraw this terminal benefit and forego annuities after the date of completion of 61 years of age.

Any balance units left to the credit of any such member after payment of premia may be withdrawn by the member at the terms of withdrawal as per Clause VIII.

XXIII. Tie-up with New India Assurance Company Limited (NIAC) for Medical Insurance :

The Trust shall make necessary arrangements with New India Assurance Company Limited (NIAC) to enable members under this scheme to avail of medical insurance for covering the hospitalisation benefits upto the prescribed limit.

The following are the details of the tie-up arrangements as made with NIAC :

(1) The Trust and the New India Assurance Company Ltd. will have an exclusive tie-up with selected hospitals in the country under a special medical policy under which all the members of the scheme will be entitled to receive medical treatment in the selected hospitals and the payment upto the prescribed limit will be settled by NIAC directly.

(2) The Trust shall provide each member with an identity card containing details of the benefits available, limit of the medical insurance cover, recent photograph, name, date of birth and signature of the member and the spouse. The members will also be provided with a log book

which will be updated by the concerned hospital/nursing home/medical research centre/Any other similar Institution with the medical expenses incurred for every treatment undertaken.]

The hospitals with which UTI will have special arrangements will not require the member to make any payment subject to the maximum amount of the Medical Insurance cover less amount already enjoyed as shown in the card for hospitalisation medical treatment as covered in the terms of the policy of NIAC. Payments subject to the balance available to the member shall be made by New India Assurance Co. Ltd. directly to the hospital within a period of 30 days from the date of claim by the hospitals. The hospitals will send the relevant bills to NIAC for reimbursement quoting details of the identity card and the expenses incurred for the treatment. UTI shall stand as guarantor for this. Expenditure in excess of the limit available (as indicated on the card) will have to be paid by the member directly to the hospital, also any payment in respect of treatment requiring hospitalisation for less than 24 hours will have to be paid directly by the member to the hospital.

When treatment such as dialysis, Chemotherapy, Radiotherapy [laser beam treatment and removal of kidney stone by lithotripsy method] are undertaken in the Hospital/Nursing Home/Medical Research Centre/Any Other Similar Institution and the insured is discharged within 24 hours, the treatment will be eligible for medical insurance cover.

NIAC shall not make any payment in respect of any expenses whatsoever incurred by the member in respect of :

- Injury or disease directly or indirectly caused by or arising from or attributable to War, Invasion, Act of Foreign Enemy, War like Operations (whether war be declared or not).
- Routine eye examination and cost of glasses and contact lenses.
- Dental treatment or surgery of any kind unless requiring hospitalisation.

¹ Substituted for "The member and spouse will be provided with a common identity card which would also include a log book for updating the medical expenses everytime a treatment is undertaken. The card will contain all necessary details like name, address, age, photograph, specimen signature of both the member and his/her spouse, scheme period, limit of the medical cover, etc." on 13-5-1993.

² Inserted on 13-5-93.

(d) Convalescence, general debility, "Run-down" condition or rest cure, congenital external defects or anomalies, sterility, venereal disease, intentional self-injury, use of intoxicating drugs.

(e) Charges incurred at Hospital or Nursing Home primarily for diagnostic X-Ray or laboratory examinations or other diagnostic studies not consistent with or incidental to the diagnosis and treatment of the positive existence or presence of any ailment sickness or injury, for which confinement is required at Hospital, Nursing Home.

(f) Expenses on vitamins and tonics unless forming part of treatment for injury or disease as certified by the attending physician.

(g) Injury or disease directly or indirectly caused by or contributed to by nuclear weapons.

(h) Naturopathy Treatment.

(i) "[Any treatment relating to Acquired Immune Deficiency Syndrome (AIDS) and any condition relating thereto.

(j) "[Pre and post hospitalisation expenses.]

NIAC has a right to authorise any medical practitioner to examine the member in case of any alleged injury or disease requiring Hospitalisation.

"The payment in respect of any claim which arise out of any fraudulent means or manner or supported by any fraudulent device whether by the member or any person acting on his behalf shall be paid by NIAC to the Hospital, Nursing Home/Medical Research Centre/Any Other Similar Institution. However, NIAC shall be entitled to recover this amount from the Trust. Membership of such members shall stand terminated with immediate effect and he/she shall cease to receive any benefits of the Plan.] All claims shall be payable in Indian Currency.

(3) The abovementioned will be available in selected hospitals in 23 specified cities with which UTI will have special arrangements. "The Trust will endeavour to expand the coverage under the Plan to cover all the cities/towns with the population of more than 5 lakhs by July, 1994.]

(4) The medical insurance benefits will be available for both member and spouse once the member completes the required age irrespective of the age of the spouse.

(5) The amount of medical insurance cover shall be limited to a maximum of Rs. 1.5 lakh per illness.

"The Memorandum of Understanding, with NIAC and the Tripartite Agreement with NIAC and the Hospitals/

Nursing Home/Medical Research Centre/Any Other Similar Institution will be finalised on such terms, conditions and stipulations as may be decided by the Chairman or ET.]

XXIV. Mode of payment of premium

For all the members joining the scheme before the age of 55 years the payment of premium commences immediately after completion of 55 years of age (i.e. on the 55th birthday) and for all those joining the scheme after the age of 55 years the premium payment shall commence in the first year itself.

The payment of premia will be such that about 60% of premia amount is paid before the commencement of risk. The member shall authorise the Trust to make payment of necessary premia to New India Assurance Co. by repurchase of required number of units or out of appreciation of the subscription amount or both.

XXV. The detailed schedule of payment of premia

The premium amount will be paid in 7 instalments to NIAC.

For those joining after 55 years of age i.e. for ages at entry 56, 57, 58, 59 & 60 years, three instalments of premia will be payable before the risk commences at the end of 2 years and the remaining four instalments of premia will be payable thereafter.

For those joining upto 55 years of age 4 instalments of premia will be payable before the risk commences, i.e. at ages 55, 56, 57 & 58 years and balance three after the risk commences at 59, 60 & 61 years of age.

XXVI. DRF contribution and other amenities

0.25% of funds mobilised under the scheme shall be kept aside as a contribution towards DRF.

Other direct/indirect facilities and amenities shall be provided to Senior Citizen members under the scheme and the grants and expenditure for the same may be made out of DRF.

XXVII. Review Clause

The premium rate and the amount of cover will be reviewed initially at the end of 3 years and at the end of every 2 years thereafter.

XXVIII. Publication of Accounts

The Trust shall, as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board, showing the working of the scheme during the period ending on 30th June. The Trust shall, on request in writing received from a member, furnish him a copy of the accounts so published.

XXIX. Additions and amendments to scheme

The Board may, from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment thereof will be notified in the official Gazette.

XXX. Termination of the Scheme

The Scheme shall stand finally terminated at the discretion of the Trust. In the event of termination of the scheme no new entrants shall be allowed to join the scheme after the specified date of termination. The outstanding units of the members whose names are entered in the Register on the date to be specified shall be repurchased at such a rate as may be decided by the Trust. The members shall be paid the amount due as early as possible, after the membership certificate/s with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The Membership Certificate received for repurchase shall be retained by the trust for cancellation. When the Trust decides to terminate the Scheme, it will be binding on the members and they shall have no right to persuade the Trust to continue the Scheme.

1. Substituted for "AIDS or any disease caused by HIV" on 13-5-1993.

2. Inserted on 13-5-1993.

3. Substituted for "NIAC shall not be liable to make any payment in respect of any claim if such claim be in any manner fraudulent or supported by any fraudulent means or device whether by the member or by any other person acting on his behalf" on 13-5-1993

4. Substituted for "The Trust would endeavour to further extend the coverage to other cities and hospitals over a period of time" on 13-5-1993.

5. Substituted for "The memorandum of understanding for giving effect to the above arrangements (with NIAC and the Hospitals/Nursing Home) will be finalised on such terms, conditions and stipulations as may be decided by the Chairman or the ET" on 13-5-1993.

XXXI. Scheme to be binding on members

The terms of this scheme, including any amendments thereof from time to time, shall be binding on each member and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding.

XXXII. Suspension or closure of sales

Sale of units under this scheme may be suspended or closed by the Trust at any time after giving notice of seven days in important daily newspapers of its intention to do so.

XXXIII. Copy of Scheme to be made available

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours on payment of a sum of Rs. 5/-.

XXXIV. Benefits to the members

All benefits accruing under the Scheme in respect of capital reserves and surpluses, if any, available at the time of the closure of the scheme shall be distributable only among the members who hold the units at its closure and whose names are entered in the Register of Members.

XXXV. Power to construe provisions

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions of the scheme, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Scheme, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Scheme and such decision shall be final and conclusive.

XXXVI. Relaxation/Variation/Modification of provisions

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust in order to mitigate hardships or for smooth and easy operation of the Scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the scheme in case of any member, or class of members upon such conditions as may be deemed expedient.

FORM A**UNIT TRUST OF INDIA****SENIOR CITIZENS' UNIT PLAN-1993****MEMBERSHIP CERTIFICATE**

This is to certify that person named in this Certificate is a member of Senior Citizens' Unit Plan-1993 and is the Registered Holder of within mentioned Units each of the face of value of Rupees Ten, subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the regulations framed thereunder and the Senior Citizens' Unit Plan-1993 (SCUP-93) formulated under Senior Citizens' Unit Scheme-1993.

NOT TRANSFERABLE**Membership**

Certificate No.

No. of Units (Face value of Rs. 10/- per Unit)

Name of the Member

For UNIT TRUST OF INDIA

BOMBAY

DATE :

Executive Trustee

Chairman

*** Medical insurance benefits under the Plan**

For those joining the Plan before the age of 55 years :

Members joining the Plan before the age of 55 will be entitled for a medical benefits cover of Rs. 2.5 lakh from the age of 58 years. This benefit is available either for the member or for both the member and spouse. After the age of 61 years, he/they will be eligible for a cover of Rs. 5 lakhs after adjusting for any claims made earlier.

***For those joining the Plan after the age of 55 years**

Those members joining the Plan after the age of 55 years along with their spouse, will be eligible for a medical benefit cover of Rs. 2.5 lakh after two years of joining the Plan and the limit will be increased to Rs. 5 lakhs (after adjusting for any claims made earlier) after 6 years.

***Annuity**

The members who join the Plan before the age of 55 years shall get an annual return after they attain the age of 58 years at the rate to be declared by the Trust. For those joining the Plan after the age of 55 years, there may be no such annual return.

There will be a limit of Rs. 1.50 lakhs per illness per spouse.

NOTE :

Application for withdrawal of Membership is enclosed.

FORM OF WITHDRAWAL OF MEMBERSHIP

DATE _____

To

The Unit Trust of India

I, _____ am the registered holder of _____ units of the Unit Trust of India under Senior Citizens' Unit Plan and am desirous of withdrawing from the Plan. Accordingly, I offer the same for repurchase by the Unit Trust at the rate existing on the Acceptance Day in respect of this application.

The price of the units may be paid to me by *cheque/ bank draft at my cost and may be sent by registered post at my cost to me at the address given below.

Signature of member _____

Signature of witness _____

Occupation :

Address :

For the use of the office

Acceptance Date _____

*Delete words not applicable.

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित

एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1993

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD,
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1993